Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 245 | सोमवार, 14 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

प्रौद्योगिकी और दुर्लभ खनिजों का हथियारों के तौर पर इस्तेमाल खतरनाक, ब्रिक्स सम्मेलन का समापन पर बोले पीएम मोदी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। हाल के दिनों में चीन ने दुलर्भ खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) की आपूर्ति को रोक लिया था। जाहिर तौर पर उसमें राजनीति भी थी। पीएम नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स देशों को इसके प्रति आगाह किया है। 13 सितंबर को ब्रिक्स सम्मेलन के अंतिम सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी वैश्विक तनावों की वजह से आम जनता के जन-जीवन पर होने वाले असर की बात भी कही।

ब्रिक्स सम्मेलन के सफल आयोजन और इसके तहत तय कार्यक्रमों के जरिए विकासशील व गरीब देशों को फायदा पहुंचाने की अपील करते हुए भारतीय पीएम ने पर्यावरण, स्वास्थ्य, सप्लाई चेन जैसे मुद्दों पर तत्परता से एक दूसरे के सहयोग की व्यवस्था बनाने की अपील की।

पीएम मोदी जब इस सत्र को संबोधित कर रहे थे तो इसमें ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों के अलावा 10 साझेदार देशों के शीर्ष नेतृत्व के अलावा पांच अन्य वैश्विक समूहों (आसियान, अफ्रीकी यूनियन आदि) का नेतृत्व भी उपस्थित था।

प्रौद्योगिकी और दुर्लभ खनिजों का हथियारों के तौर पर इस्तेमाल खतरनाक- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि, 'प्रौद्योगिकी व क्रिटिकल मिनिरल्स का हथियारों की तरफ इस्तेमाल करना हमारी साझा प्रगति में बाधा बन सकता है। इसलिए हमने प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल में सभी को साथ लेकर चलने पर बल दिया है।' पीएम मोदी जब यह बात कह रहे थे उनसे थोड़ी ही दूरी पर चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी बैठे थे। वैसे चिनफिंग के भारत दौरे व ब्रिक्स में उनकी उपस्थिति से भारत व चीन के संबंधों में काफी सकारात्मकता देखने को मिली है लेकिन पीएम मोदी ने क्रिटिकल मिनिरल्स को हथियारों के तौर पर इस्तेमाल करने की बात करके यह बताया है कि चीन की तरफ से कुछ मुद्दों पर ध्यान देना जरूरी है। सनद रहे कि अप्रैल, 2025 में चीन ने रेअर अर्थ समेत कुछ अन्य धातुओं के निर्यात को सीमित कर दिया था जिससे भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग को भी काफी समस्या का सामना करना पड़ा था। मोदी और चिनफिंग के बीच 12 सितंबर, 2026 को हुई बैठक में भी यह मुद्दा उठा था। पीएम मोदी ने कहा कि ग्लोबल साउथ के विकासशील देश ब्रिक्स पर बढ़ता भरोसा इसलिए जता रहे हैं क्योंकि उनकी आवाज सुनी जाती है, उनके अनुभवों को महत्व दिया जाता है और समाधान उन पर थोपने की बजाय उनके साथ साझेदारी में बनाए जाते हैं।

विश्व की लगभग 49.5 प्रतिशत आबादी और वैश्विक जीडीपी का करीब 40 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करने वाले 11 प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स का वार्षिक शिखर सम्मेलन लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन, स्टार्टअप्स और संक्रामक रोग नियंत्रण जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परिणामों के साथ संपन्न हुआ।

मोदी ने कहा कि 'आज यह सभागार अलग-अलग महाद्वीपों, संस्कृतियों और विकास यात्राओं को एक साथ जोड़ रहा है। यह ब्रिक्स की बढ़ती ताकत, आकर्षण और अभूतपूर्व विश्वास का प्रमाण है।'

अंतिम सत्र में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा, मलेशिया के पीएम अनवर, मिस्र के राष्ट्रपति अल-सिसी, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रोबोवो जैसे दिग्गज वैश्विक नेता उपस्थित थे। डब्लूटीओ, यूएन, डब्लूएचओ जैसे संगठनों के प्रमुखों ने भी हिस्सा लिया।

कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज विश्व में तनावों की संख्या लगातार बढ़ रही है, और सामान्य मानव के जीवन पर इसका बहुत नकारात्मक प्रभाव भी हो रहा है और व्यापक प्रभाव भी हो रहा है। महामारियों, पर्यावरण आपदाओं और सप्लाई चेन में गड़बड़ी ने दिखाया है कि एक दूसरे पर आश्रित दुनिया में कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता।

इसलिए चुनौतियों को समय रहते पहचानना, उनके लिए तैयार रहना और तुरंत कार्रवाई करना भी उतना ही आवश्यक है। इसके साथ ही पीएम ने ब्रिक्स के नई दिल्ली घोषणा पत्र में आपसी सहयोग जैसे बीमारियों को रोकने के लिए पूर्वचेतवानी सिस्टम की स्थापना, ब्रिक्स देशों के बीच आपदा प्रबंधन में सहयोग, सप्लाई चेन में भरोसे को बढ़ाने जैसे कदमों की घोषणाओं का जिक्र किया।

उन्होंने बताया कि ब्रिक्स नेटवर्क आन डिजिटल एग्रीक्लचर किसानों के लिए नई संभावनाएं तैयार करेगा। इसके माध्यम से एआइ, भूस्थानिक प्रौद्योगिकी और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को किसानों की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ा जाएगा।

जब तक सनातन धर्म का झंडा ऊंचा रहेगा, कोई भारत का कुछ नहीं बिगाड़ सकता: सीएम योगी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

रायबरेली। रायबरेली के ऊंचाहार में चल रही शिवपुराण कथा में रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचे। उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति की एकता पर जोर दिया। सीएम योगी ने कहा कि जब तक पूरे भारत में पवित्र 'कथा' गूंजती रहेगी, सनातन धर्म का झंडा कभी नहीं झुकेगा। जब तक सनातन धर्म का झंडा ऊंचा लहराता रहेगा, तब तक कोई भी भारत को नुकसान नहीं पहुंचा सकता। देश की आध्यात्मिक परंपराओं ने सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को तब भी बनाए रखा, जब विदेशी हमलावरों ने इसके पवित्र स्थलों पर हमले किए। हमने 'धर्म' को केवल पूजा-पाठ के तरीकों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे समाज की जीवन-शक्ति के रूप में अपनाया। इसे अपने कर्तव्यों से जोड़ा और इसे राष्ट्र की प्रेरक शक्ति माना।

उन्होंने कहा कि यही कारण था कि मध्यकाल में जब राजनीतिक कमजोरियों के कारण देश को विदेशी हमलावरों का सामना करना पड़ा और उन्होंने भारत के पवित्र स्थलों को रौंदा, तब भी 'व्यास पीठों' से मिली सीख ने सामाजिक एकता को बढ़ावा दिया। साथ ही भारत की सांस्कृतिक व आध्यात्मिक उन्नति को आगे बढ़ाया। गोस्वामी तुलसीदास का उदाहरण देते हुए सीएम ने कहा कि उन्हें अकबर के दरबार से 'नवरत्नों' में शामिल होने का प्रस्ताव मिला था। जब उनके सामने यह प्रस्ताव रखा गया, तो उन्होंने पूछा, 'यह अकबर कौन है? लोगों ने उन्हें बताया कि वह भारत का सम्राट है। तुलसीदास ने कहा, 'मेरा केवल एक ही राजा है- राम।

2029 तक एनडीए शासित 21 राज्यों में लागू होगा यूसीसी

अमित शाह ने आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस का संकल्प दोहराया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि यूनिफॉर्म सिविल कोड - जिसका मकसद शादी, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे मामलों के लिए धर्म से परे एक समान पर्सनल लॉ लागू करना है - उसे 2029 से पहले BJP के नेतृत्व वाले NDA की सरकार वाले सभी 21 राज्यों में लागू किया जाएगा। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाह ने कहा हमने कई राज्यों में यूनिफॉर्म सिविल कोड पेश किया है। मुझे भरोसा है कि हम 2029 से पहले BJP के नेतृत्व वाले NDA की सरकार वाले सभी 21 राज्यों में UCC लागू कर देंगे। शाह ने सरकार की सुरक्षा नीति पर भी जोर दिया और कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' (सख़्त रवैये) की नीति स्थापित की है, साथ ही सभी क्षेत्रों में सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।

2014 से 'काम-काज की राजनीति'

शाह ने कहा कि 2014 से पहले भारत भ्रष्टाचार, जातिवाद और परिवारवाद की राजनीति के दौर से गुजर रहा था, लेकिन BJP की सरकार के तहत अब यह 'काम-काज पर आधारित राजनीति' की ओर बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश और रक्षा नीतियों को एक 'मजबूत आधार' मिला है, जिसमें सरकार का नजरिया 'भारत पहले' की सोच से तय होता है और राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी जाती है। शाह ने भारत की आर्थिक तरक्की का भी ज़िक्र किया और कहा कि देश 'फ़्रैजाइल फाइव' (कमजोर पाँच) अर्थव्यवस्थाओं की श्रेणी से निकलकर शीर्ष पाँच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है। उन्होंने पहली तिमाही में 7.8% की जीडीपी वृद्धि की ओर इशारा करते हुए कहा कि भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे आगे है। उन्होंने सरकार द्वारा अनुच्छेद 370, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर की स्थिति से निपटने के तरीकों पर भी प्रकाश डाला और इन्हें ऐसी पुरानी चुनौतियाँ बताया, जिन्होंने दशकों तक भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया था।

मणिपुर में ठप्प पर बातचीत चल रही है

जब उनसे पूछा गया कि क्या राज्य में चुनाव से पहले 1951 के आधार वर्ष का इस्तेमाल करके मणिपुर में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिज़न्स लागू किया जाएगा और क्या पूरे देश में ठप्प लागू करने की कोई समय-सीमा तय है, तो शाह ने कहा कि मणिपुर में सहयोगियों और राजनीतिक दलों के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, 'जैसे ही कोई फैसला लिया जाएगा, हम आपको बता देंगे। अवैध रूप से आकर बसने वालों के मुद्दे पर शाह ने सरकार का रुख दोहराया कि अवैध प्रवासियों की पहचान की जाएगी और उन्हें देश से बाहर निकाला जाएगा, लेकिन इसके लिए जिस तरीके पर विचार किया जा रहा है, उसका ब्योरा नहीं दिया जाएगा। भाषा को लेकर हो रही बहस पर शाह ने कहा कि मातृभाषा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और राज्य का नेतृत्व इस मुद्दे का समाधान निकालेगा। उन्होंने कुछ लोगों पर लोगों के बीच फूट डालने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया।

ब्रिक्स गाला डिनर में वेज मेन्यू पर छिड़ा सियासी संग्राम, राहुल गांधी ने किरेन रिजिजू को दिया कड़ा जवाब

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। ब्रिक्स गाला डिनर के मेन्यू को लेकर विवाद खड़ा हो गया। रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रतिनिधियों को परोसे गए पूरी तरह शाकाहारी खाने को लेकर सरकार पर परोक्ष रूप से तंज कसा। माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म (पहले ट्विटर) पर 'छोले-भटूरे' की फोटो शेयर करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने भारतीय जनता पार्टी पर इशारों-इशारों में तंज कसा और बताया कि 80 प्रतिशत भारतीय मांसाहारी हैं। वे भारत मंडपम में ब्रिक्स समिट के नेताओं और प्रतिनिधियों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित डिनर में पूरी तरह से शाकाहारी मेनू रखे जाने का ज़िक्र कर रहे थे। उत्तर प्रदेश के रायबरेली से लोकसभा सांसद ने कहा जानकारी के लिए बता दें कि 80% भारतीय मांसाहारी हैं। भारतीय मांसाहारी खाना बहुत स्वादिष्ट होता है। और मेरी बहन के छोले-भटूरे भी। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि गाला डिनर में आए मेहमानों ने भारतीय शाकाहारी खाने का आनंद लिया। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी को इस मामले पर राजनीति करने से बचना चाहिए। उन्होंने गांधी का नाम लिए बिना एक्स पर कहा मुझे यकीन नहीं हो रहा कि कांग्रेस पार्टी ब्रिक्स देशों के नेताओं को परोसे जाने वाले खाने के मेन्यू पर भी राजनीति कर रही है। हमारे मेहमानों ने भारतीय शाकाहारी व्यंजनों का आनंद लिया, जो स्वाद और पोषण से भरपूर हैं और जिनमें अलग-अलग क्षेत्रीय परंपराओं की झलक मिलती है।

गोवा चुनाव से पहले बड़ा खेल! AAP-GFP ने मिलाया हाथ, कांग्रेस-बीजेपी की बढ़ी टेंशन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। गोवा की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। आम आदमी पार्टी और क्षेत्रीय दल गोवा फॉरवर्ड पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ने का ऐलान किया है। दोनों दलों ने अपने गठबंधन का नाम 'गोवा फर्स्ट' रखा है। इस नए गठबंधन के मैदान में आने से गोवा में चुनावी मुकाबला और दिलचस्प हो सकता है।

अरविंद केजरीवाल और विजय सरदेसाई ने किया ऐलान

रविवार को पणजी में हुई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और गोवा फॉरवर्ड पार्टी के अध्यक्ष विजय सरदेसाई ने गठबंधन की औपचारिक घोषणा की। दोनों नेताओं ने साफ संकेत दिया कि 'गोवा फर्स्ट' बीजेपी और कांग्रेस, दोनों से अलग राजनीतिक विकल्प के तौर पर चुनाव मैदान में उतरेगा।

कांग्रेस और बीजेपी पर साधा निशाना

गठबंधन की घोषणा से पहले पूरे गोवा में आम आदमी पार्टी और गोवा फॉरवर्ड पार्टी के संयुक्त होर्डिंग्स लगाए गए थे। इन पर लिखा था, 'कांग्रेस और बीजेपी ने आपको दो बार धोखा दिया, तीसरी बार धोखा मत खाने दो।'

इस संदेश के जरिए कांग्रेस में हुई बड़ी बगावत पर निशाना साधा गया। 2019 में कांग्रेस के 15 में से 10 विधायक बीजेपी में शामिल हो गए थे। इसके बाद 2022 में कांग्रेस के 11 में से 8 विधायक बीजेपी में चले गए थे।

कांग्रेस से बातचीत के बाद अलग रास्ता चुना

गोवा फॉरवर्ड पार्टी के अध्यक्ष विजय सरदेसाई ने बताया कि कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर बातचीत हुई थी। हालांकि, दल-बदल के मुद्दे पर उन्हें कोई साफ जवाब नहीं मिला। इसके बाद उनकी पार्टी ने अलग रास्ता चुनने का फैसला किया। सरदेसाई ने कहा कि 'गोवा फर्स्ट' गैर-बीजेपी और गैर-कांग्रेस मोर्चे के तौर पर विधानसभा चुनाव लड़ेगा।

2022 में कांग्रेस के साथ था GFP का गठबंधन

2022 के विधानसभा चुनाव में गोवा फॉरवर्ड पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। पार्टी ने फतोरदा सीट पर जीत हासिल की थी और विजय सरदेसाई खुद इस सीट से विधायक हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी ने पिछला विधानसभा चुनाव अकेले लड़ा था। पार्टी ने दक्षिण गोवा की बेनौलिम और वेलिम सीटों पर जीत दर्ज की थी। इन दोनों सीटों से वेंजी वीगस और क्रूज सिल्वा विधायक हैं।

कर्नाटक गणेश चतुर्थी की शोभायात्रा बनी सियासी मुद्दा, पुलिस की सलाह के बाद बीजेपी-कांग्रेस आमने-सामने

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में गणेश उत्सव के दौरान शोभायात्रा को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर एक पुलिस अधिकारी का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह शोभायात्रा को लेकर कुछ निर्देश देते नजर आ रहे हैं। पुलिस अधिकारी वीडियो में कहते हैं कि मस्जिद के सामने से शोभायात्रा नहीं निकाली जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि त्योहार को त्योहार की तरह ही मनाना चाहिए और दूसरों की भावनाओं का भी सम्मान करना चाहिए। अधिकारी ने यह भी कहा कि अगर मस्जिद के सामने जाकर पटाखे बजाए जाएंगे, तो वह मामले से अपने तरीके से निपटेंगे। वीडियो सामने आने के बाद बीजेपी ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए उसे हिंदू विरोधी बताया है। बीजेपी सांसद यदुवीर वाडियार ने कहा कि सड़क सभी के लिए होती है। उनके मुताबिक, प्रशासन को कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर ध्यान देना चाहिए, न कि शोभायात्रा को रोकने पर। उन्होंने कहा कि कोई यह तय नहीं कर सकता कि शोभायात्रा कहां से निकलेगी और कहां से नहीं।

'अपने दोस्त अजित की कार रेस देखने गए'

तमिलनाडु के सीएम विजय के ब्रिटेन दौरे को लेकर डीएमके का तंज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

चेन्नई। डीएमके ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की ब्रिटेन की यात्रा को लेकर तंज कसते हुए कहा है कि वह अपने दोस्त अजित की कार रेस देखने गए हैं। इस पर टीवीके ने सफाई देते हुए कहा कि अपने दोस्त मिलना कोई गलत बात नहीं है।

यूनाइटेड किंगडम के सिल्वरस्टोन में मिशेलिन ले मैन्स कप रेस शुरू करने के लिए विजय ने औपचारिक हरी झंडी दिखाई, जबकि एक्टर और मोटरस्पोर्ट कॉम्पिटिटर अजित कुमार 2026 चैंपियनशिप के पांचवें राउंड के लिए ट्रैक पर उतरे।

विजय और अजित का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

रेस से पहले नॉर्थम्प्टनशायर के बादलों भरे आसमान के नीचे विजय हल्की दौड़ लगाते हुए आगे बढ़े और अपनी बाहें फैलाकर एक्टर-रेसर अजित कुमार को गर्मजोशी से गले लगाया। उनके इस गर्मजोशी भरे गले मिलने का वीडियो वायरल हो गया, जिससे उनके उन फैन्स का दिल खुश हो गया जो अक्सर ऑनलाइन एक-दूसरे से भिड़ते रहते हैं।

डीएमके के प्रवक्ता टीकेएस इलांगोवन ने कहा, 'उन्होंने कहा था कि उन्हें लंदन से निवेश मिलने वाला है, लेकिन सबने देखा कि वह अपने दोस्त अजित की कार रेस देखने गए थे।' डीएमके विधायक मार्कंडेयन ने विजय के लंदन दौरे की आलोचना करते हुए कहा, 'मुख्यमंत्री विजय लंदन में हैं। हमारे राज्य में किसानों, मछुआरों और कई अन्य मुद्दे हैं। अभी निवेश आकर्षित करने की कोई जल्दबाजी नहीं है।'

विजय विदेशी निवेश आकर्षित करने और चेन्नई के पास तमिलनाडु के प्रस्तावित मोटर स्पोर्ट्स सिटी के लिए विश्व-स्तरीय खेल सुविधाओं का निरीक्षण करने के लिए आधिकारिक राजकीय यात्रा पर यूके में हैं। विजय की पार्टी टीवीके ने आलोचना को खारिज कर दिया। पार्टी प्रवक्ता वी नारायणन ने कहा, 'ये लोग सिर्फ दिखावा करने और प्रचार करने में दिलचस्पी रखते हैं, जबकि हमारे मुख्यमंत्री असल में काम कर रहे हैं।

सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके पर लगा 'लेटरहेड के दुरुपयोग' का आरोप

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दिपके के व्यंग्यात्मक इस्तीफे वाले पत्र को लेकर विवाद खड़ा हो गया। इस पत्र में उन्होंने राज्य सरकार पर तंज कसते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का नाटक किया था। जहाँ कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने MP सरकार की आलोचना में उनका साथ दिया, वहीं BJP कार्यकताओं समेत कई अन्य लोगों ने दिपके पर 'लेटरहेड के दुरुपयोग' का आरोप लगाया।

बालाघाट में कुछ इन्फ्लुएंसर्स द्वारा कथित तौर पर परेशान किए जाने के बाद डिपके ने MP सरकार पर तंज कसा। वह वहां उन आदिवासी बच्चों के माता-पिता से मिलने गए थे जिनकी संक्रमण के कारण मौत हो गई थी।

दिपके के व्यंग्यात्मक इस्तीफे के पत्र की बातें

डिपके ने एक्स पर एक फजी पत्र शेयर करते हुए लिखा, मैं इसके जरिए एमपी के मुख्यमंत्री पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूँ। मैं माननीय मोदी जी का शुक्रिया अदा करता हूँ कि उन्होंने मुझे MP की जनता की सेवा करने का मौका दिया, एक ऐसा मौका जिसमें मैं साफ तौर पर नाकाम रहा हूँ।'

संपादक की कलम

शिया-सुन्नी एकता: अभी नहीं तो कभी नहीं

ललित शर्मा
संपादक

ईरान के मुख्य न्यायाधीश आयतुल्लाह गुलाम-हुसैन मोहसिनी-अजेई ने पिछले दिनों भारत का 3 दिवसीय आधिकारिक दौरा किया। वैसे तो उनकी यह यात्रा मुख्य रूप से ब्रिक्स मुख्य न्यायाधीश मंच के नई दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय न्यायिक शिखर सम्मेलन को लेकर हुई थी । परन्तु इसके अतिरिक्त न्यायाधीश आयतुल्लाह अजेई ने दिल्ली की जामा मस्जिद में शाही इमाम मौलाना सैयद शाबान बुखारी की इमामत में आम नमाज़ियों के साथ जुमे की नमाज अदा की। गोया जामा मस्जिद में शिया सुन्नी की संयुक्त जमाअत का दृश्य देखने को मिला। इस मस्जिद में आम दिनों में या शुक्रवार को भी दुनिया भर से आने वाले शिया पर्यटक, राजनयिक और प्रतिनिधिमंडल बिना किसी रोक-टोक के सुन्नी इमाम के पीछे या उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर नमाज अदा करते रहते हैं। सुन्नी भाइयों ने भी कश्मीरी गेट स्थित शिया मस्जिद में आकर शिया इमाम के पीछे नमाज अदा की थी।इससे पहले भी भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के विशेष प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही भारत के विभिन्न राज्यों में होने वाले शिया-सुन्नी एकता सम्मेलनों और धार्मिक कार्यक्रमों में ईरान के प्रतिनिधि के रूप में शामिल होते रहे हैं ताकि मुस्लिम समुदायों के बीच भाईचारे को बढ़ावा दिया जा सके। इस दौरान हकीम इलाही ने भी अनेक स्थानों पर शिया सुन्नी संयुक्त जमाअत में एक साथ नमाज अदा की। कहा जा सकता है कि भारत जैसे विश्व की तीसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाले देश में ईरान इस मुस्लिम जगत एकता मुहिम को तेजी देकर पूरे विश्व की मुस्लिम एकता का आवाहन कर रहा है। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह सैयद मुज्तबा खामेनेई ने पिछले दिनों पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिन पर तेहरान में हुये एक धार्मिक सम्मेलन में मुस्लिम देशों को एक लिखित संदेश भेजा था। इस संदेश में उन्होंने वैश्विक स्तर पर मुस्लिम एकजुटता की पुरजोर वकालत की थी। उन्होंने अपनी इस अपील में पश्चिम एशिया और विशेष रूप से फारस की खाड़ी के मुस्लिम शासकों से सीधा आग्रह किया कि वे अपने 'असली दुश्मन को पहचानें, उसकी योजनाओं को समझें और मिलकर उसका मुकाबला करें'। खामेनेई ने अमेरिका और इजराइल को पूरी मुस्लिम उम्माह का 'पक्का और साझा दुश्मन' करार दिया। उन्होंने यह भी आगाह किया कि इस्लाम के दुश्मन मुसलमानों की सामूहिक ताकत को कमजोर करने के लिए उनके बीच नस्लीय, सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और भौगोलिक अंतरों का फायदा उठाकर फूट डालना चाहते हैं। अपने संदेश में उन्होंने कठोर लहजे में कहा, 'कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पद पर हो, यदि वह ऐसा कुछ करता है जिससे मुसलमानों के बीच दरार पैदा हो या इस्लामी समाज में संघर्ष बढ़े—चाहे वह जानबूझकर कर रहा हो या अनजाने में, वह वास्तव में इस्लाम के दुश्मनों के एजेंडे को ही बढ़ावा दे रहा है।' उन्होंने खाड़ी देशों के शासकों को झकझोरते हुए पूछा कि 'अगर फारस की खाड़ी के देश और सरकारें इस्लाम के झंडे तले एकजुट हो जाएं, तो क्या हजारों किलोमीटर दूर से आए बिना पहचान वाले बदमाशों अर्थात बाहरी ताकतों में हमारी जमीन और दौलत पर नजर गड़ाने की हिम्मत होगी?' खामेनेई ने मुस्लिम जगत की फूट पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि आज दुनिया के सभी मुस्लिम देश एकजुट होते, तो क्या फिलिस्तीन के हालात इतने लाचार और रक्षा हीन होते? खामेनेई के अनुसार, संपूर्ण इस्लामी दुनिया की समस्याओं का एकमात्र रास्ता 'आपसी संवाद की एकता, गहरी दोस्ती और भलाई के रास्ते पर एक-दूसरे का सहयोग करना' है।

एक दिवस में क्यों बंधे, हिंदी का अभियान

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव बनकर न रह जाए, बल्कि हिंदी हमारी चेतना, व्यवहार और जीवन का स्थायी हिस्सा बने—यही इस दिवस की सार्थकता है। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह संस्कृति, परंपरा, संवेदना और आत्मगौरव की पहचान भी होती है। इसलिए हिंदी का सम्मान किसी एक दिन तक सीमित नहीं किया जा सकता। यदि हम अपने घर, शिक्षा, तकनीक, प्रशासन और कार्यस्थल पर हिंदी को सहजता से अपनाएँ, तभी हिंदी का वास्तविक विस्तार संभव होगा। अंग्रेजी सीखना बुरा नहीं है, बल्कि आज के वैश्विक युग में अनेक भाषाओं का ज्ञान हमारी क्षमता बढ़ाता है। लेकिन अपनी भाषा के प्रति हीनभावना रखना निश्चित रूप से चिंता का विषय है। हिंदी को हर दिन, हर पल जीना ही सच्चा हिंदी दिवस है।

हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें अवसर देता है कि हम विचार करें कि हिंदी का स्थान आज हमारे समाज, शिक्षा, साहित्य, प्रशासन और तकनीक में कहाँ है। प्रश्न यह नहीं है कि हिंदी दिवस क्यों मनाया जाता है, बल्कि प्रश्न यह है कि हिंदी का सम्मान केवल एक दिवस तक ही क्यों सीमित रह जाए? भाषा तो जीवन की धारा है। वह किसी कैलेंडर की एक तारीख में नहीं बंध सकती। इसीलिए यह दोहा हमें आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है कि हिंदी का अभियान किसी एक दिवस में क्यों बंधे? हिंदी तो भारतवासियों के जीवन में हर पल रची-बसी रहनी चाहिए।

हिंदी करोड़ों भारतीयों की अभिव्यक्ति और भावनाओं की सशक्त भाषा है। यह देश के अनेक हिस्सों को जोड़ने वाली संपर्क भाषा के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत की भाषाई विविधता हमारी शक्ति है। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, मराठी, पंजाबी, गुजराती, असमिया, उड़िया सहित सभी भारतीय भाषाएँ हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं। इसलिए हिंदी का सम्मान किसी अन्य भारतीय भाषा के विरोध में नहीं, बल्कि भारतीय भाषाई समृद्धि के सम्मान के साथ होना चाहिए। हिंदी का विस्तार जोड़ने वाला हो, थोपने वाला नहीं।

आज सबसे बड़ी चुनौती हिंदी के सामने किसी दूसरी भाषा का अस्तित्व नहीं, बल्कि अपनी ही भाषा के प्रति विकसित होती हीनभावना है। समाज के एक वर्ग में यह धारणा मजबूत हुई है कि अंग्रेजी में बोलना आधुनिकता और सफलता का प्रमाण है, जबकि हिंदी में सहज संवाद करना पिछड़ेपन की निशानी है। यह मानसिकता बदलने की आवश्यकता है। अंग्रेजी ज्ञान का विरोध किए बिना हमें यह समझना होगा कि किसी व्यक्ति की योग्यता उसकी भाषा से नहीं, बल्कि उसके ज्ञान, कौशल, मेहनत, सोच और संवेदनशीलता से निर्धारित होती है।

दुनिया के अनेक विकसित देशों ने अपनी भाषाओं को शिक्षा, अनुसंधान और प्रशासन का मजबूत आधार बनाया है। जापान, चीन, जर्मनी और दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने अपनी भाषाओं में ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी शिक्षा को विकसित किया और साथ ही विश्व की अन्य भाषाओं से भी संवाद कायम रखा। भारत में भी बहुभाषिकता हमारी विशेषता रही है। आवश्यकता इस बात की है कि हम हिंदी और भारतीय भाषाओं को आधुनिक ज्ञान तथा रोजगार के अवसरों से जोड़ें।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भी मातृभाषा और भारतीय भाषाओं के महत्व को रेखांकित किया है। नीति में जहाँ संभव हो, कम से कम कक्षा 5 तक और अधिमानतः कक्षा 8 तथा आगे भी मातृभाषा, स्थानीय भाषा या क्षेत्रीय भाषा को शिक्षण के माध्यम के रूप में अपनाने पर बल दिया गया है। इसका उद्देश्य बच्चों की समझ, सहज अभिव्यक्ति और सीखने की क्षमता को मजबूत करना है। बच्चा जिस भाषा में सोचता और अपने अनुभवों को समझता है, उस भाषा में जटिल अवधारणाओं को समझना उसके लिए अधिक स्वाभाविक हो सकता है। इस आवश्यकता केवल नीति बनाने की नहीं, बल्कि उसके प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन की है।

हिंदी दिवस पर विद्यालयों, महाविद्यालयों और सरकारी संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होते हैं। भाषण दिए जाते हैं, प्रतियोगिताएँ होती हैं और हिंदी के गौरव का उल्लेख किया जाता है। यह सब आवश्यक है, लेकिन पर्याप्त नहीं। यदि 14 सितंबर को हिंदी के सम्मान में कार्यक्रम हों और अगले दिन कार्यालय की फाइल, डिजिटल प्लेटफॉर्म, संवाद तथा व्यवहार में हिंदी फिर पीछे चली जाए तो उद्देश्य अधूरा रह जाता है। हिंदी दिवस का वास्तविक अर्थ तभी है, जब 14 सितंबर की चेतना 15 सितंबर और उसके बाद के हर दिन में दिखाई दे।

हिंदी को केवल साहित्य और भावनाओं की भाषा मानना भी उसके दायरे को सीमित करना है। हिंदी विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा, कानून, प्रबंधन, अर्थव्यवस्था और अनुसंधान की भाषा भी बन सकती है। इसके लिए उच्च स्तरीय पुस्तकों, शोध सामग्री, पाठ्यक्रमों और डिजिटल संसाधनों का निर्माण आवश्यक है। ज्ञान जितना अधिक हिंदी में उपलब्ध होगा, उतनी ही अधिक संख्या में लोग उसका लाभ उठा सकेंगे। भाषा का भविष्य केवल उसके बोलने वालों की संख्या से नहीं, बल्कि उसमें उपलब्ध ज्ञान और अवसरों से भी तय होता है।

डिजिटल युग ने हिंदी के सामने अभूतपूर्व संभावनाएँ खोली हैं। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल पत्रकारिता, अनुवाद तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हिंदी में सामग्री के निर्माण और प्रसार को आसान बनाया है। आज हिंदी में लिखना और पढ़ना केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। समाचार, ब्लॉग, वीडियो, पॉडकास्ट, ऑनलाइन पाठ्यक्रम और डिजिटल पुस्तकें हिंदी को नई पीढ़ी तक पहुँचा रही हैं। इस अवसर का उपयोग करते हुए हमें हिंदी को तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ाना होगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन अनुवाद के बढ़ते दौर में हिंदी के लिए गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शब्द-संसाधन, कॉर्पस, शब्दकोश और विश्वसनीय ज्ञान-सामग्री तैयार करना भी जरूरी है। यदि हिंदी तकनीकी दुनिया में मजबूत होगी तो वह केवल भावनाओं की भाषा नहीं रहेगी, बल्कि रोजगार, नवाचार और ज्ञान-विनिमय की प्रभावशाली भाषा भी बनेगी।

हिंदी साहित्य की परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। कबीर की निर्भीक वाणी, तुलसी की लोकचेतना, सूर की भक्ति, प्रेमचंद का सामाजिक यथार्थ, निराला का विद्रोही स्वर और महादेवी वर्मा की संवेदनशीलता हिंदी साहित्य की व्यापकता और गहराई को दर्शाते हैं। आज आवश्यकता है कि नई पीढ़ी को इस साहित्य से जोड़ा जाए।

संविधान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक: हिंदी ने बदला अपना पूरा संसार

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर भारत की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं, सांस्कृतिक परंपराओं और विविध धार्मिक-सामाजिक विरासत से नहीं बनती,बल्कि उसकी भाषाई विविधता भी भारतीय सभ्यता की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक है।देश के अलग-अलग राज्यों,क्षेत्रों और समुदायों में अनेक भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं,जिनमें प्रत्येक अपने भीतर सदियों का इतिहास, साहित्य लोक-स्मृति,संस्कृति और सामाजिक अनुभव समेटे हुए है।तमिल,तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, मराठी,सिंधी बंगाली,पंजाबी,असमिया,उड़िया सहित भारत की अनेक भाषाएं देश की साझा सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं।इसी व्यापक भाषाई परिदृश्य में हिंदी काअपना विशिष्ट स्थान है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं,बल्कि साहित्य,संस्कृति,संवेदना, विचार और सामाजिक जुड़ाव की एक महत्वपूर्ण भाषा है।इसलिए हिंदी को आगे बढ़ाने का अर्थ केवल एक भाषा का विस्तार नहीं,बल्कि भारत की बहुभाषी लोकतांत्रिक संस्कृति में एक प्रभावी संपर्क और ज्ञान- माध्यम को मजबूत करना भी है। यही विचार हर वर्ष 14 सितंबर को मनाए जाने वाले हिंदी दिवस को सटीकता से विशेष महत्व प्रदान करता है।

साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरपर 14 सितंबर 2026 को हिंदी दिवस मनाने की करें तो,देश भर में राष्ट्रीय हिंदी दिवस गौरव और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा मुंबई में छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का भव्य आयोजन (14-15 सितंबर) किया गया है, जिसका उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किया जा रहा है।इस सम्मेलन में सरकारी कामकाज में हिंदी के सरल उपयोग को बढ़ावा देने और तकनीकी क्षेत्रों में राजभाषा को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।इसके साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के नेतृत्व में देश भर के स्कूलों, विश्वविद्यालयों और सरकारी संस्थानों में राजभाषा सप्ताह के तहत विभिन्न साहित्यिक व सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।पंचायती राज मंत्रालय के सचिव और मंत्री स्तर पर देश की सभी ग्राम पंचायतों से अपील जारी की गई है कि वे ग्रामीण स्तर पर हिंदी दिवस मनाएं और स्थानीय शासन में आधिकारिक तौर पर हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं का उपयोग बढ़ाएं।वैश्विक स्तर पर,विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों में प्रवासी भारतीयों और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी उत्सव और कवि सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है,जो हिंदी को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान और सुदृढ़ता सटीकता से प्रदान कर रहा है।

साथियों,14 सितंबर भारतीय भाषाई और संवैधानिक इतिहास की एक महत्वपूर्ण तारीख है।14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था।स्वतंत्र भारत के सामने उस समय अनेक महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न थे और उनमें संघ के सरकारी कामकाज की भाषा का प्रश्न भी अत्यंत संवेदनशील था। यहां हम कह सकते हैं कि राजभाषा हिंदी बनाम भारत की भाषाई विविधता:संविधान ने हिंदी को राजभाषा का अधिकार दिया हैं।भारत एक ऐसा देश था जहां विभिन्न क्षेत्रों में अलग- अलग भाषाएं प्रचलित थीं।इसलिए भाषा का निर्णय केवल प्रशासनिक सुविधा का विषय नहीं था, बल्कि यह देश की एकता, विविधता, लोकतांत्रिक संवेदनशीलता और भविष्य की राष्ट्रीय व्यवस्था से भी जुड़ा हुआ था। संविधान सभा में इस विषय पर लंबी और गहन बहस हुई।राजभाषा से संबंधित विचार-विमर्श के बाद 14 सितंबर 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा स्वीकार करने का ऐतिहासिक निर्णय सामने आया और उसके लिए देवनागरी लिपि निर्धारित की गई।यही प्रावधान आगेचलकर संविधान के भाग 17 में शामिल हुए।

साथियों,यहां एक महत्वपूर्ण संवैधानिक तथ्य को समझना आवश्यक है कि संविधान ने हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा घोषित नहीं किया है। संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी और उसकी लिपि देवनागरी है। इसी संवैधानिक व्यवस्था में संघ के आधिकारिक कामकाज में अंकों के प्रयोग तथा अंग्रेजी के उपयोग को जारी रखने से संबंधित प्रावधान भी किए गए थे। बाद में संसद को कानून के माध्यम से संघ के आधिकारिक कार्यों में अंग्रेजी के उपयोग से जुड़ी व्यवस्था करने का अधिकार दिया गया।इसलिए हिंदी दिवस को समझते समय संवैधानिक शब्दावली की शुद्धता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी हिंदी के प्रति हमारी भावनात्मक प्रतिबद्धता। हिंदी का सम्मान तभी सार्थक होगा जब वह संवैधानिक मयार्दा, भाषाई सह-अस्तित्व और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़े।

साथियों,14 सितंबर 1949 के ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में हिंदी दिवस मनाने की परंपरा 1953 से शुरू हुई। तब से यह दिन हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, प्रयोग और विकास के प्रति जागरूकता पैदा करने का अवसर बन गया है। भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में हिंदी सप्ताह, हिंदी पखवाड़ा तथा हिंदी माह जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। राजभाषा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित भी किया जाता है। लेकिन हिंदी दिवस का वास्तविक उद्देश्य केवल सरकारी समारोहों, पुरस्कारों और औपचारिक भाषणों तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसका व्यापक उद्देश्य यह होना चाहिए कि हिंदी को जीवन, प्रशासन, शिक्षा, साहित्य, विज्ञान, तकनीक, अनुसंधान और डिजिटल संचार के प्रभावी माध्यम के रूप में लगातार विकसित किया जाए।

साथियों, आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम हिंदी का सम्मान केवल 14 सितंबर को करते हैं, या फिर वर्ष के 365 दिन अपने व्यवहार और कार्यक्षेत्र में भी हिंदी को उचित स्थान देते हैं? भाषा किसी कैलेंडर की एक तारीख से जीवित नहीं रहती। भाषा तब जीवंत रहती है जब लोग उसे बोलते हैं, लिखते हैं, पढ़ते हैं, उसमें ज्ञान अर्जित करते हैं, नए विचार व्यक्त करते हैं और आने वाली पीढ़ियों तक उसे पहुंचाते हैं। इसलिए हिंदी दिवस आत्ममंथन का भी अवसर है। हमें यह देखना होगा कि हिंदी का प्रयोग केवल भावनात्मक या सांस्कृतिक अभिव्यक्ति तक सीमित है अथवा वह आधुनिक ज्ञान और अर्थव्यवस्था की बदलती जरूरतों के साथ भी कदम मिला रही है।

साथियों, इक्कीसवीं सदी में भाषा के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल दूसरी भाषाओं से प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि तकनीकी परिवर्तन की गति है। इंटरनेट, मोबाइल फोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सोशल मीडिया, डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन सेवाओं ने भाषाओं के स्वरूप को तेजी से बदल दिया है। इस डिजिटल परिवर्तन ने हिंदी के सामने अभूतपूर्व अवसर भी पैदा किए हैं। आज करोड़ों लोग हिंदी में समाचार पढ़ते हैं, वीडियो देखते हैं, सामाजिक माध्यमों पर संवाद करते हैं, ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करते हैं और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने विचार व्यक्त करते हैं।

लौटा दे कोई बचपन हमारा

उदय कशोर साह

कविता

लौटा दे कोई वो बचपन हमारा
कितना हँसीन का वक्त का नजारा
ना कोई फिक्र ना चिन्ता था सारा
ईष्या द्वेष ना था ,सब थे हमें प्यारा

स्कूल जाना व घर लौट कर आना
लालटेन की रोशनी में पाठ दुहराना
खाना खाकर दादी को था मनाना
राजा रानी की किस्से सुन सो जाना

हँसी खुशी में दिन रात का बीत जाना
ना था बैर भाव का वहाँ कोई फसाना
हँसने खेलने का था पावन वो जमाना
नदियों में नहाना और तैरना तैराना

रूठने का होता था कभी कभी बहाना
माँ के आँचल में छुप बात को मनवाना
बाबा के कॉधे पे चढ़ गाँव के मेले में आना
बाईस्कोप देख फख्र से रोब जमाना

आज खुशी ना देता है ये जवानी का सितारा
भागम भाग बना दी है हम सबको बेचारा
जवाबदेही की बोझ है सर पे अब सारा
लौटा दे कोई वो बचपन हमारा

शिक्षा का ढकोसला: जब कानून और सत्ता अशिक्षित हाथों में हो!

एनके शर्मा
लेखक

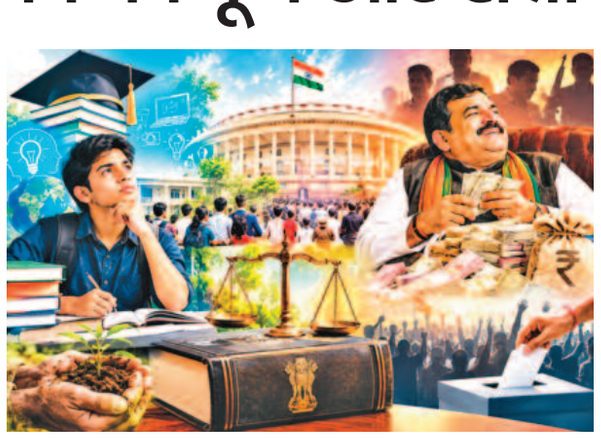

'शिक्षा का ढकोसला: जब कानून और सत्ता अशिक्षित हाथों में हों' केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि उस लोकतांत्रिक विडंबना का आईना है जिसमें शिक्षा को राष्ट्रनिर्माण की आधारशिला कहा जाता है, लेकिन सत्ता संचालन के लिए शिक्षा, विवेक, संवैधानिक समझ और सार्वजनिक नीति की न्यूनतम योग्यता को भी अनिवार्य नहीं माना जाता। जिस समाज में एक सामान्य नौकरी के लिए शैक्षिक प्रमाणपत्र, दक्षता-परीक्षा, अनुभव और योग्यता की लंबी कसौटियां निर्धारित हों, उसी समाज में कानून बनाने, नीतियां तय करने और करोड़ों नागरिकों के भविष्य पर निर्णय लेने वालों के लिए बुनियादी राजनीतिक एवं संवैधानिक ज्ञान की कोई अनिवार्य परीक्षा न होना लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक है।

प्रश्न किसी व्यक्ति की डिग्री का नहीं, बल्कि उस जिम्मेदारी की प्रकृति का है जो उसके कंधों पर रखी जाती है। एक निर्वाचित प्रतिनिधि केवल अपनी निजी जिंदगी का निर्णय नहीं करता; उसके एक मत से शिक्षा नीति बदल सकती है, बजट की दिशा बदल सकती है, कानून बन सकता है, कर बढ़ सकता है, किसी उद्योग को राहत मिल सकती है, किसी वर्ग के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं और कभी-कभी करोड़ों लोगों की सामाजिक-आर्थिक दिशा बदल सकती है। फिर यह कैसे स्वीकार किया जाए कि जिस व्यक्ति को कानून बनाने का अधिकार दिया जा रहा है, उसके लिए कानून, संविधान, अर्थव्यवस्था, प्रशासन और सार्वजनिक नीति की न्यूनतम समझ भी संस्थागत रूप से सुनिश्चित न की जाए? विडंबना यह है कि लोकतंत्र ने सत्ता का दरवाजा जनता के लिए खोला, लेकिन राजनीति ने धीरे-धीरे उसे धनबल, बाहुबल, जातीय समीकरण, धार्मिक ध्रुवीकरण, परिवारवाद और चुनावी प्रबंधन की प्रयोगशाला में बदल दिया। चुनाव जीतने की कला और शासन चलाने की योग्यता दो अलग-अलग चीजें हैं, मगर हमारी राजनीतिक संस्कृति ने दोनों के बीच की दूरी को लगभग मिटा दिया है। जो व्यक्ति भीड़ जुटा सकता है, नारे लगवा सकता है, जातीय समीकरण साध सकता है या चुनावी गणित में माहिर है, उसे अक्सर शासन की योग्यता का प्रमाणपत्र भी मिल जाता है।

परिणाम सामने है—लोकतंत्र का मंच कभी-कभी नीति और विचार का नहीं, बल्कि प्रभाव, प्रपंच और प्रचार का अखाड़ा दिखाई देता है। यह कहना भी उचित नहीं होगा कि विश्वविद्यालय की डिग्री अपने आप किसी व्यक्ति को ईमानदार, बुद्धिमान या सक्षम बना देती है। इतिहास में औपचारिक रूप से अत्यधिक शिक्षित लोग भी निरंकुशता, युद्ध और मानव-विरोधी नीतियों के समर्थक रहे हैं। दूसरी ओर, अनेक महान जननेता औपचारिक शिक्षा की सीमाओं के बावजूद असाधारण राजनीतिक चेतना और नैतिक क्षमता रखते थे। इसलिए समस्या केवल 'अनपढ़ बनाम पढ़ा-लिखा' की नहीं है। असली प्रश्न है—क्या सत्ता में जाने वाले व्यक्ति को संविधान, कानून, अर्थव्यवस्था, प्रशासनिक उत्तरदायित्व, नागरिक अधिकार, लोकतांत्रिक संस्थाओं और सार्वजनिक नीति की पर्याप्त समझ है? क्या उसके भीतर निर्णय की नैतिक क्षमता है? क्या वह सत्ता को सेवा समझता है या निजी साम्राज्य? आज राजनीति का सबसे बड़ा कलंक यही है कि सार्वजनिक जीवन में नैतिक योग्यता का स्थान चुनावी सफलता ने ले लिया है। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत की रकम का नाम नहीं है। जब सार्वजनिक पद निजी लाभ का साधन बन जाए, जब सरकारी संसाधनों का इस्तेमाल राजनीतिक हितों के लिए हो, जब नियुक्तियां योग्यता के बजाय निष्ठा से प्रभावित हों, जब अपराध और राजनीति का गठजोड़ सामान्य दिखाई देने लगे और जब जनता के प्रश्नों का उत्तर प्रचार से दिया जाए, तब भ्रष्टाचार व्यवस्था की नसों में उतर चुका होता है।

सबसे भयावह स्थिति तब पैदा होती है जब अपराध, धन और राजनीति एक-दूसरे के सहारे खड़े हो जाते हैं। जिस लोकतंत्र में मतदाता को उम्मीदवार चुनना चाहिए, वहां कभी-कभी उम्मीदवार मतदाता की मजबूरियों को चुनने लगता है। पैसा चुनाव में प्रवेश करता है, चुनाव सत्ता में बदलता है और सत्ता फिर अगले चुनाव के लिए धन और प्रभाव पैदा करती है। यह चक्र लोकतंत्र को धीरे-धीरे जनभागीदारी से सत्ता-व्यवसाय में बदल देता है। राजनीति तब विचारधारा नहीं रहती; वह निवेश और प्रतिफल का खेल बन जाती है।

यहां शिक्षा का वास्तविक अर्थ भी समझना होगा। शिक्षा केवल प्रमाणपत्र नहीं है। शिक्षा प्रश्न पूछने का साहस है। शिक्षा सत्य और प्रचार में अंतर करने की क्षमता है। शिक्षा संविधान को केवल पुस्तक में नहीं, जीवन में समझना है। शिक्षा असहमति का सम्मान करना है। शिक्षा यह जानना है कि सत्ता जनता की मालिक नहीं, सेवक है। यदि कोई डिग्रीधारी व्यक्ति भ्रष्ट है, तो उसकी डिग्री उसकी नैतिक दिवालियापन को नहीं ढक सकती। और यदि कोई कम औपचारिक शिक्षा वाला व्यक्ति संविधान, लोकतंत्र और जनता के अधिकारों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता रखता है, तो उसे केवल डिग्री के अभाव में अयोग्य घोषित करना भी न्यायसंगत नहीं होगा। लेकिन इसका अर्थ यह कतई नहीं कि राजनीतिक पदों के लिए ज्ञान की कसौटियां विकसित ही न की जाएं। यदि चिकित्सक को चिकित्सा का ज्ञान चाहिए, अभियंता को इंजीनियरिंग का ज्ञान चाहिए, न्यायाधीश को कानून की समझ चाहिए और शिक्षक को शिक्षण की योग्यता सिद्ध करनी होती है, तो जनप्रतिनिधियों के लिए संवैधानिक साक्षरता, प्रशासनिक समझ और सार्वजनिक नीति की न्यूनतम अनिवार्य दक्षता पर गंभीर राष्ट्रीय बहस क्यों नहीं होनी चाहिए? लोकतंत्र में जनता को उम्मीदवार चुनने का अधिकार अवश्य रहना चाहिए, लेकिन राजनीतिक दलों की आंतरिक लोकतांत्रिक जवाबदेही, उम्मीदवारों की पारदर्शी पृष्ठभूमि, आपराधिक मामलों की स्पष्ट जानकारी, चुनावी वित्त की पारदर्शिता और संवैधानिक प्रशिक्षण को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

अघोषित विद्युत कटौती पर पूर्व विधायक धीरज ओझा ने जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय को सौंपा पत्र

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। जनपद मे मशहूर है कि जनता की परेशानी हो या हो मित्रो का संकट सरकार उनके पक्ष की हो या विपक्ष की लेकिन किसी भी विपरीत परिस्थिति मे जिले मे धीरज ओझा नाम की एक शख्सियत खडी हो जाती है। धीरज जनता के लिए किसी का विरोध करने पर उतर जाते है। जनता के हित के लिए धीरज कभी भी सडको पर उतर आन्दोलन कर सकते है। इसके लिए उन्हे बिल्कुल भी परवाह नही कि कौन नाराज हो रहा है या कौन तालिया बजा रहा है। इसी क्रम मे आज प्रतापगढ़ जनपद मे लगातार विधुत कटौती के विरुद्ध पूर्व विधायक धीरज ओझा ने जिलाधिकारी प्रतापगढ़ से मुलाकात की और लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती एवं अनियमित विद्युत आपूर्ति को लेकर निवर्तमान विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा जी ने जिलाधिकारी महोदय को पत्र सौंपकर क्षेत्र की गंभीर समस्या से अवगत कराया।

पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी से आग्रह किया गया कि इस समस्या को उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के संज्ञान में लाते हुए रानीगंज विधानसभा क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को तत्काल बेहतर बनाने के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि लगातार बिजली कटौती से क्षेत्र के आम नागरिकों, किसानों, व्यापारियों एवं विद्यार्थियों सहित सभी वर्गों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच अनियमित विद्युत आपूर्ति से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि रानीगंज विधानसभा क्षेत्र की जनता की समस्याओं को लेकर वह लगातार गंभीर हैं और जनहित के प्रत्येक विषय को संबंधित अधिकारियों के समक्ष मजबूती से उठाते रहेंगे।

स्पष्ट मांगः रानीगंज विधानसभा क्षेत्र में हो रही अघोषित एवं अनावश्यक विद्युत कटौती पर तत्काल रोक लगाई जाए, निर्धारित रोस्टर के अनुसार नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा विद्युत आपूर्ति में बार-बार आने वाली तकनीकी एवं अन्य समस्याओं का स्थायी समाधान कराया जाए। साथ ही, क्षेत्र में पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने जिलाधिकारी महोदय एवं यूपीपीसीएल के उच्चाधिकारियों से मांग की कि रानीगंज की जनता को निर्बाध, पर्याप्त एवं नियमित बिजली उपलब्ध कराने के लिए तत्काल ठोस कार्रवाई की जाए। यहा यह गौर करना होगा कि जिले की जनता भी जानती है और जनपद का प्रशासन भी कि यदि किसी विषय मे धीरज ओझा आगे आ गये है तो सुधार करना होगा अन्यथा कब सडके जमा हो जाएगी और कब जिन्दाबाद मुर्दा बाद के नारो से जिम्मेदार विभाग का कार्यालय का घेराव कर निकलना दूभर हो जाएगा कोई नही जानता। ऐसे मे बिजली जैसे अति आवश्यक विषय पर धीरज ओझा का डी एम से मिलना कार्यवाही के लिए मागपत्र सौपना सघर्ष की मात्र एक शुरूआत हो सकती है।

गंगातट से शुरू हुई 'हिंदू जागो, घर-बेटी अस्तित्व बचाओ' पदयात्रा हापुड़ पहुंची

हापुड़ (वेलकम इंडिया)। गढ़मुक्तेश्वर के ब्रजघाट स्थित मां गंगा के तट से शिवशक्ति धाम डासना की ओर निकली 'हिंदू जागो, घर-बेटी अस्तित्व बचाओ' पदयात्रा रविवार को हापुड़ पहुंची। पदयात्रा का नेतृत्व शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर एवं श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि के शिष्य यति महादेवानंद गिरि कर रहे हैं। यात्रा के दौरान गंगाजल लेकर विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना की जा रही है। हापुड़ स्थित छज्जुमल की धर्मशाला में विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं कार्यकताओं ने पदयात्रियों का स्वागत किया। इस दौरान अरुण त्यागी, गजेंद्र गुप्ता, विपुल मित्तल, दीपक त्यागी अच्छेजा, राष्ट्रीय सैनिक संस्था के प्रदेश प्रवक्ता ज्ञानेंद्र त्यागी, जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार त्यागी, अनिल त्यागी, मोनिका त्यागी, रितिक हिंदू, कवि मनोज वर्मा, कवि विकास विजय त्यागी, निखिल त्यागी, लालाराम वाल्मीकि व कवि अवनीत समर्थ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।पदयात्रियों को आशीर्वाद देने के लिए महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि, महामंडलेश्वर यति मां प्रत्यंगिरा गिरि, अनिल यादव छोटे नरसिंहानंद और मोहित बजरंगी भी धर्मशाला पहुंचे। यात्रा में स्वामी राम विशाल दास, स्वामी माधव गिरि, स्वामी अभिराम दास, स्वामी दिलीप जी महाराज, साध्वी दीपिका मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हैं।यति नरसिंहानंद गिरि ने कहा कि पदयात्रा का उद्देश्य हिंदू समाज में एकता, जागरूकता और धार्मिक चेतना का संदेश देना है। उन्होंने अपने संबोधन में हिंदुओं के लिए अलग राष्ट्र की मांग सहित कई राजनीतिक एवं धार्मिक मुद्दों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान मंदिरों में भगवान महादेव और मां जगदंबा से हिंदू समाज को भक्ति, सद्बुद्धि, शक्ति और विजय प्रदान करने की प्रार्थना की जाएगी। उन्होंने बताया कि ब्रजघाट से लिया गया गंगाजल गाजियाबाद स्थित दूधेश्वरनाथ मंदिर में भगवान शिव को अर्पित किया जाएगा। पदयात्रा आगे चंडी मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद शिवशक्ति धाम डासना की ओर रवाना होगी।

श्यामपुर जट्ट में दो परिवारों के बीच हमले के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/बाबूगढ़। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के ग्राम श्यामपुर जट्ट में 12 सितंबर 2026 को दो परिवारों के बीच हुए हमले की वीडियो वायरल होने के बाद दर्ज मुकदमे में वांछित अभियुक्त प्रवीन कुमार पुत्र प्रताप सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त औजार भी बरामद किया है।थाना बाबूगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सम्राट एडवरटाइजिंग एजेंसी का भव्य उद्घाटन, ललित सिंह ने फीता काटकर किया शुभारंभ

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। मोदीनगर रोड स्थित चौकडायत भट्टे के समीप कैंची धाम वाटिका, सम्राट एंक्लेव में सम्राट एडवरटाइजिंग एजेंसीज का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समाजवादी पार्टी के 2027 विधानसभा चुनाव के संभावित प्रत्याशी ललित सिंह ने फीता काटकर किया।कार्यक्रम की शुरूआत भगवान बुद्ध एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर की गई। इस दौरान अतिथियों एवं उपस्थित लोगों का फूल-मालाओं तथा पंचशील का पटका पहनाकर स्वागत किया गया। फ्लेक्स प्रिंटिंग मशीन के शुभारंभ के अवसर पर सबसे पहले बाबा नीम करोली की तस्वीर प्रिंट कर कार्य की शुरूआत की गई।

इस मौके पर ललित गौतम ने कहा कि विनोद कुमार सागर समाज के बीच रहकर निरंतर सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हैं और हमेशा समाज एवं जनता के हित की सोचते हैं। उन्होंने कहा कि सम्राट एडवरटाइजिंग एजेंसी के माध्यम से भी उन्होंने एक नई पहल की है।एजेंसी के संचालक विनोद कुमार सागर ने कहा कि वह अपनी इच्छा से नहीं, बल्कि बाबा नीम करोली और भगवान बुद्ध की प्रेरणा से समाजहित के कार्य करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने बताया कि नैनीताल में विकसित की जा रही कॉलोनी का उद्देश्य उत्तर प्रदेश से जाकर वहां नौकरी करने वाले उन लोगों को कम बजट में अपना आशियाना उपलब्ध कराना है, जो वर्तमान में किराये के मकानों में रह रहे हैं।कार्यक्रम में चाय-नाश्ते की व्यवस्था के साथ बाबा नीम करोली के चने के प्रसाद का वितरण भी किया गया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं समाज के लोग मौजूद रहे।इस अवसर पर सम्राट बिल्डर्स एंड प्रॉपर्टीज ग्रुप के चेयरमैन, ललित सिंह, केपी सिंह, श्वेत कुमार, गौरव कुमार, छोटू उर्फ गोविंदा, राहुल कलछिना, बिट्टू सागर, पवन कुमार, किट्टू, कुट-कुट, कविता सागर, भावना, कुमारी अक्षीता एवं उत्कर्ष सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नाबालिग किशोरी से छेड़छाड़ के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/सिंभावली। थाना सिंभावली पुलिस ने नाबालिग किशोरी से छेड़छाड़ करने के मामले में वांछित/नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। थाना प्रभारी सिंभावली अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि पुलिस टीम ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

राष्ट्रीय कुराश चैंपियनशिप में जेएमएस वर्ल्ड स्कूल के खिलाड़ियों का रहा शानदार प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। पंजाब के लुधियाना में आयोजित सब-जूनियर राष्ट्रीय कुराश चैंपियनशिप में जेएमएस वर्ल्ड स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार पदक अपने नाम किए। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर खिलाड़ियों ने स्कूल और हापुड़ का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता से लौटने के बाद स्कूल परिसर में खिलाड़ियों का स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया गया। कुराश प्रशिक्षक प्रिंस यादव ने बताया कि गुरु नानक स्पोर्ट्स स्टेडियम, लुधियाना के इंडोर हॉल में चार से सात सितंबर तक सब-जूनियर राष्ट्रीय कुराश चैंपियनशिप आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में देशभर से खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में प्रतिभाग किया। ग्रुप-1 के 30 किलोग्राम भार वर्ग में जेएमएस वर्ल्ड स्कूल के खिलाड़ी शयान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। वहीं, ग्रुप-2 के 50 किलोग्राम भार वर्ग में कुणाल कुमार ने रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इसी ग्रुप के 30 किलोग्राम भार वर्ग में अभिषेक ने कांस्य पदक प्राप्त किया। 44 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में परी यादव ने भी कांस्य पदक जीतकर स्कूल को गौरवान्वित किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर स्कूल प्रबंध निदेशक डॉ. आयुष सिंघल और सचिव रोहन सिंघल ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेलों से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, धैर्य और टीम भावना जैसे गुण विकसित होते हैं। उन्होंने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्या डॉ. निधि मलिक ने कहा कि देश में खेलों के प्रति जागरूकता लगातार बढ़ रही है और युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के नए अवसर मिल रहे हैं।

बारिश ने फिर छीना गरीब ब्राह्मण का आशियाना, छत के लिए बस पन्नी सहारा

विजय द्विवेदी/वेलकम इन्डिया

प्रतापगढ़। बाघराय क्षेत्र के बारो पटवारा गांव निवासी जय नारायण तिवारी का कच्चा मकान लगातार बारिश के चलते गिर गया। मकान ढहने के बाद परिवार के पास सिर छिपाने के लिए पक्की छत तक नहीं है। मजबूरी में पन्नी डालकर परिवार गुजर-बसर कर रहा है। जय नारायण ई-रिक्शा चलाकर परिवार का पेट पालते हैं। परिवार में 15 साल की बेटी और 9 साल का बेटा है। बारिश के इस मौसम में बच्चों के साथ खुले में रहने की मजबूरी ने परिवार की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। गरीब के परिवार की हालत देख जहा स्थानीय जन आगे आए वही प्रशासन से मांग है कि तत्काल मौके का निरीक्षण कर राहत सामग्री उपलब्ध कराने के साथ परिवार को सुरक्षित आवास और सरकारी आवास योजना का लाभ दिलाया जाए।

धौलाना थाने में सिपाही की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जांच में जुटी पुलिस

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/धौलाना। थाना धौलाना में तैनात 2025 बैच के पुलिस सिपाही आशीष की रविवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना से थाना परिसर में हड़कंप मच गया। साथी पुलिसकर्मी उन्हें तत्काल पिलखुवा स्थित मेडिकल कॉलेज के अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।मृतक सिपाही की पहचान आगरा जिले के निबौरा थाना क्षेत्र के गांव हीरापुरा निवासी आशीष के रूप में हुई है। बताया गया कि आशीष का 24 अप्रैल को स्थानांतरण होने के बाद धौलाना थाने में तैनाती हुई थी। रविवार सुबह उनकी थाने में पहरा ड्यूटी थी। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिलने पर साथी पुलिसकर्मी उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और थाना परिसर का निरीक्षण कर मामले की जानकारी ली। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया गया कि सिपाही आशीष करीब 15 दिन की छुट्टी बिताने के बाद दो दिन पहले ही ड्यूटी पर लौटे थे। ड्यूटी पर लौटने के कुछ समय बाद हुई घटना से साथी पुलिसकर्मी भी स्तब्ध हैं। फोन पर हुई बातचीत की भी जांच पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घटना से पहले सिपाही की फोन पर किससे बातचीत हुई थी और किन परिस्थितियों में यह घटना हुई, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

कानून छात्रों और युवा वकीलों के लिए सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण संदेश

सिविल जज बनने के लिए एक वर्ष की वास्तविक वकालत जरूरी, चयन के बाद दो वर्ष का प्रशिक्षण और लॉ क्लर्कशिप

वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने Bhumika Trust v. Union of India & Ors. एवं अन्य मामले में 21 अगस्त 2026 को दिए महत्वपूर्ण फैसले में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के रूप में न्यायिक सेवा में प्रवेश की पात्रता और प्रशिक्षण व्यवस्था को लेकर अहम बदलाव किया है। फैसले का सीधा असर कानून स्नातकों, न्यायिक सेवा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों और युवा अधिवक्ताओं पर पड़ेगा। न्यायालय ने तीन वर्ष की अनिवार्य वकालत की पूर्व शर्त को घटाकर एक वर्ष कर दिया है, लेकिन व्यावहारिक न्यायिक अनुभव और प्रशिक्षण को व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाए रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि न्यायिक सेवा में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के लिए अदालतों की कार्यप्रणाली की व्यावहारिक समझ आवश्यक है। हालांकि, न्यायालय ने माना कि यह अनुभव केवल तीन वर्ष की पारंपरिक वकालत से ही प्राप्त हो, यह आवश्यक नहीं है। व्यावहारिक वकालत, संरचित न्यायिक प्रशिक्षण और निगरानी में लॉ क्लर्कशिप–इन तीनों को मिलाकर भावी न्यायिक अधिकारी की क्षमता विकसित की जा सकती है। 1 अप्रैल 2027 या उसके बाद जारी होने वाली न्यायिक सेवा भर्ती अधिसूचनाओं के लिए उम्मीदवार को सिविल जज (जूनियर डिवीजन) की परीक्षा में बैठने से पहले जिला अदालतों में कम से कम एक वर्ष की वास्तविक वकालत पूरी करनी होगी। इस अनुभव को प्रमाणित करने के लिए निर्धारित व्यवस्था के तहत प्रैक्टिस सर्टिफिकेट भी आवश्यक होगा। चयन के बाद अभ्यर्थियों को एक वर्ष का गहन प्रशिक्षण संबंधित राज्य न्यायिक अकादमी में लेना होगा। इसके बाद एक वर्ष की संरचित लॉ क्लर्कशिप होगी। इसमें छह महीने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश या उच्च न्यायिक सेवा के सदस्य के अधीन और अगले छह महीने संबंधित हाईकोर्ट के किसी कार्यरत न्यायाधीश के अधीन प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह है कि भावी न्यायाधीश अदालत में स्वतंत्र न्यायिक दायित्व संभालने से पहले न केवल कानून की किताबों, बल्कि न्यायालयीन प्रक्रिया, मामले की सुनवाई, कानूनी तर्क, साक्ष्य और न्यायिक निर्णय लेने की वास्तविक प्रक्रिया को भी समझ सके।

फैसले का एक महत्वपूर्ण पक्ष संक्रमण अवधि से जुड़ा है। न्यायालय ने उन कानून स्नातकों के हितों को भी ध्यान में रखा, जिन्होंने पहले की व्यवस्था के तहत अपनी शिक्षा पूरी की या न्यायिक सेवा की तैयारी शुरू की थी और बाद में तीन वर्ष की वकालत की शर्त लागू होने से प्रभावित हुए। न्यायालय ने संक्रमण अवधि के लिए ऐसी व्यवस्था की है जिसके तहत 31 मार्च 2027 तक जारी होने वाली भर्ती अधिसूचनाओं में तीन वर्ष की पूर्व वकालत की शर्त के कारण कानून स्नातकों को बाहर नहीं किया जाएगा। इस अवधि में पात्र उम्मीदवारों को चयन के बाद निर्धारित प्रशिक्षण और लॉ क्लर्कशिप व्यवस्था से गुजरना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी माना कि हाल के वर्षों में कानून की पढ़ाई पूरी करने वाले कई अभ्यर्थियों ने उस समय अपनी शिक्षा और करियर की योजना बनाई थी, जब न्यायिक सेवा में प्रवेश के लिए पूर्व वकालत का अनुभव अनिवार्य नहीं था। अचानक बदली पात्रता से ऐसे अभ्यर्थियों के सामने व्यावहारिक कठिनाइयां पैदा हुई थीं। पहली नजर में यह फैसला न्यायिक सेवा की भर्ती से जुड़ा हुआ दिखाई देता है, लेकिन इसका प्रभाव आम नागरिकों तक भी पहुंचता है। सिविल जज निचली न्यायपालिका के महत्वपूर्ण स्तर पर काम करते हैं और उनके सामने संपत्ति, पारिवारिक विवाद, व्यक्तिगत अधिकार, दीवानी दावे और अन्य महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई होती है। ऐसे में न्यायाधीश को अदालत की वास्तविक कार्यप्रणाली, वकीलों की भूमिका, मुकदमे की प्रक्रिया और पक्षकारों की समस्याओं की व्यावहारिक समझ होना न्यायिक व्यवस्था की गुणवत्ता के लिए महत्वपूर्ण है।

इरशाद अहमद, अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया

सुप्रीम कोर्ट ने इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक अनुभव और संस्थागत प्रशिक्षण के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया है। न्यायालय का दृष्टिकोण है कि न्यायिक दक्षता केवल बार में बिताए गए वर्षों से तय नहीं होती, बल्कि नियुक्ति के बाद संरचित और निगरानी वाले प्रशिक्षण से भी विकसित की जा सकती है। इस फैसले का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि कानून की डिग्री कानूनी शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि व्यावहारिक सीख की शुरूआत है। न्यायिक सेवा की तैयारी करने वाले कानून स्नातकों को शुरूआती दौर से ही अदालत की कार्यप्रणाली समझने पर ध्यान देना चाहिए। प्लीडिंग, साक्ष्य, प्रक्रिया, बहस, न्यायिक आदेशों का अध्ययन, पेशेवर नैतिकता और मुकदमेबाजी की वास्तविक परिस्थितियों को समझना उनके लिए उपयोगी होगा। युवा अधिवक्ताओं के लिए भी यह फैसला महत्वपूर्ण है। शुरूआती पेशेवर वर्षों में अदालत में उपस्थित रहना, वरिष्ठ अधिवक्ताओं से सीखना और मुकदमों की वास्तविक प्रक्रिया को समझना भविष्य की पेशेवर क्षमता को मजबूत कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया है कि तीन वर्ष की वकालत अपने आप में न्यायिक दक्षता की गारंटी नहीं है। इसके विपरीत, वास्तविक वकालत के साथ व्यवस्थित न्यायिक प्रशिक्षण और निगरानी में लॉ क्लर्कशिप भावी न्यायिक अधिकारियों को अधिक व्यापक अनुभव दे सकती है। फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि पीठ में इस मुद्दे पर मतभेद सामने आया। न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन ने बहुमत के दृष्टिकोण से असहमति जताई और तीन वर्ष के वकालत अनुभव की आवश्यकता को हटाने के फैसले पर अलग दृष्टिकोण रखा। उनके अनुसार न्यायिक पद संभालने से पहले पर्याप्त न्यायालयीन अनुभव का अपना महत्व है। यह असहमति कानून के छात्रों के लिए भी महत्वपूर्ण अध्ययन का विषय है। इससे पता चलता है कि न्यायिक सेवा के लिए आवश्यक योग्यता तय करते समय न्यायालय के सामने युवा प्रतिभाओं को अवसर देने, न्यायिक स्वतंत्रता और दक्षता सुनिश्चित करने तथा व्यावहारिक न्यायालयीन अनुभव के बीच संतुलन बनाने की चुनौती रहती है।

कागजों में गड्ढामुक्त सड़क, हकीकत में कीचड़ से सना रास्ता

बरौली-कचनाऊ मार्ग पर जलभराव से हाहाकार, स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र रोज झेल रहे दुश्वारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। प्रदेश सरकार सड़कों को गड्ढामुक्त करने के दावे कर रही है, लेकिन बलदेव विधानसभा क्षेत्र में बरौली से कचनाऊ जाने वाला मार्ग सरकारी दावों की पोल खोल रहा है। सड़क पर जगह-जगह पानी और कीचड़ जमा है। हालात ऐसे हैं कि इस रास्ते से गुजरना राहगीरों के लिए मुसीबत बन गया है। सबसे ज्यादा परेशानी उन छात्र-छात्राओं को उठानी पड़ रही है, जिन्हें इसी बदहाल रास्ते से होकर सरकारी मॉडल इंटर कॉलेज, सरकारी प्राथमिक विद्यालय और नर्सिंग कॉलेज पहुंचना पड़ता है। बारिश के बाद मार्ग की स्थिति और भी बदतर हो जाती है। कीचड़ और जलभराव के बीच विद्यार्थियों को विद्यालय-कॉलेज पहुंचना पड़ रहा है। इससे न केवल उन्हें आवागमन में परेशानी होती है, बल्कि अभिभावकों को भी बच्चों की सुरक्षा की चिंता सताती रहती है। स्थानीय लोगों के अनुसार मार्ग की बदहाली को लेकर प्रशासन को कई बार लिखित रूप से शिकायत की जा चुकी है। पीड़ित ग्रामीणों ने समाचार पत्रों के माध्यम से भी जनप्रतिनिधियों और प्रशासन का कई बार ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित किया है। इसके बावजूद मार्ग की स्थिति में कोई ठोस सुधार नजर नहीं आ रहा। सोशल मीडिया पर भी बदहाल सड़क और जलभराव के वीडियो लगातार सामने आ रहे हैं। ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर शिकायतों, खबरों और वीडियो के बावजूद जिम्मेदार कब जागेंगे?

छात्र कीचड़ से निकलें या विकास के दावे मानें?

एक तरफ सरकार बेहतर सड़क और सुगम यातायात की बात करती है, वहीं दूसरी ओर शिक्षा के मंदिरों तक पहुंचने वाला मार्ग बदहाली का शिकार है। ग्रामीणों का कहना है कि यह महज सड़क की समस्या नहीं, बल्कि बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा सवाल है। कचनाऊ निवासी अमित चौधरी एवं अन्य ग्रामीणों ने कहा कि समस्या को लेकर लगातार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई जा चुकी है। कई बार ध्यान दिलाने के बावजूद यदि मार्ग की हालत नहीं सुधारी जाती तो अब ग्रामीणों के सामने आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही बरौली-कचनाऊ मार्ग से जलभराव और कीचड़ की समस्या दूर कर सड़क को दुरुस्त नहीं कराया गया तो ग्रामीण एकजुट होकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उनका कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बाद भी सुनवाई नहीं होना जिम्मेदार व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

सवाल यह भी...

शिकायतों के बाद भी सड़क क्यों नहीं सुधरी? किस विभाग की जिम्मेदारी है? जनप्रतिनिधियों की चुप्पी कब टूटेगी? बच्चों को कब मिलेगा सुरक्षित रास्ता? और आखिर कब तक ग्रामीण कीचड़ में चलने को मजबूर रहेंगे?

शंकराचार्य निरंजनदेव तीर्थ की 30वीं पुण्यतिथि पर महासमागम

अधोक्षजानंद बोले- गोहत्या पर बने सख्त कानून

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। गिरिराज तलहटी के जतीपुरा परिक्रमा मार्ग स्थित शंकराचार्य आश्रम में गोवर्धन मठ पुरी के ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी निरंजनदेव तीर्थ महाराज की 30वीं पुण्यतिथि पर दो दिवसीय महोत्सव का भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम के दूसरे दिन जगद्गुरु नाभा पीठाधीश्वर सुतीक्ष्ण देवाचार्य (सुदामा कुटी, वृंदावन) ने ब्रह्मलीन शंकराचार्य के चित्रपट पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि निरंजनदेव तीर्थ महाराज ने धर्म ध्वजा को दुनिया में फहराने का जो कार्य किया, उसी परंपरा को वर्तमान शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ आगे बढ़ा रहे हैं। अखंड भारत यात्रा सनातन धर्म के लिए बड़ी उपलब्धि है। स्वामी अधोक्षजानंद की अध्यक्षता में विशाल धर्मसभा हुई, जिसमें देशभर के साधु-संतों ने सनातन संस्कृति की रक्षा, युवाओं को धर्म से जोड़ने और पौराणिक धरोहरों के संरक्षण पर जोर दिया। राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर धार्मिक स्थलों की रक्षा हर सनातनी का दायित्व बताया गया। अपने संबोधन में शंकराचार्य अधोक्षजानंद ने ब्रह्मलीन निरंजनदेव तीर्थ और स्वामी करपात्री जी के गोहत्या विरोधी आंदोलन का स्मरण कराया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की सराहना की, लेकिन गायों की तस्करी और गोहत्या रोकने के लिए केंद्र से तत्काल कठोर कानून बनाने की मांग की। महोत्सव में विभिन्न अखाड़ों-पीठों के प्रमुख संतों के साथ कई राजनीतिक व सामाजिक हस्तियां भी शामिल हुईं। पहले दिन अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री मौजूद रहे। दूसरे दिन हरियाणा सरकार के मंत्री गौरव गौतम, विभिन्न दलों के नेता और विधायकों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। शंकराचार्य वर्तमान में चतुर्मास व्रत के लिए आश्रम में प्रवास पर हैं।

लोहवन में मनाया गया अनोखा रक्षाबंधन

मथुरा (वेलकम इंडिया)। ब्रज के गांव लोहवन में भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया पर रक्षाबंधन का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। देशभर में सावन पूर्णिमा पर मनाए जाने वाले इस त्योहार को लोहवनवंशी ब्राह्मणों का रावत गोत्र 13 दिन बाद मनाने की अपनी सदियों पुरानी अनोखी परंपरा को आज भी निभा रहा है। सुबह से ही गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा। बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर हाथों में राखी बांधी और भाइयों ने बहनों की रक्षा का संकल्प लेकर उन्हें उपहार दिए। न केवल लोहवन में, बल्कि यहां से निकलकर देश के सुदूर क्षेत्रों में बसे रावत परिवारों में भी आज ही के दिन राखी का त्योहार मनाया गया। गांव के मनीष रावत, ब्रजेश रावत, श्याम रावत और चंदा मामा ने बताया कि इस परंपरा के पीछे दो मान्यताएं हैं। पहली मान्यता के अनुसार सदियों पूर्व युद्ध के कारण रावत गोत्र के युवा सावन पूर्णिमा पर गांव में नहीं थे, वे भादों सुदी तीज को ही युद्ध से लौटे थे। दूसरी मान्यता के अनुसार वे व्यापार के लिए बाहर गए थे और लौटने में देरी होने से तीज को वापस आए। भाइयों के सकुशल लौटने की खुशी में बहनों ने उसी दिन राखी बांधी, तभी से यह तिथि नियत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि भादों सुदी तीज पर मनाया जाने वाला यह रक्षाबंधन ब्रज की समृद्ध लोक-संस्कृति और भाई-बहन के अटूट प्रेम का अनूठा उदाहरण है।

पद्मश्री कृष्ण कन्हाई ने किया कृष्ण लीलाओं के चित्रांकन का अवलोकन

बोले- ये चित्र उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद की अमूल्य धरोहर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/वृंदावन। गीता शोध संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय 'श्री कृष्ण राष्ट्रीय चित्रांकन शिविर-2026' के बाद तैयार भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से संबंधित चित्रों की गुरुवार सि कला, साहित्य और धार्मिक जगत से जुड़े प्रमुख लोगों ने पहुंचकर कलाकृतियों का अवलोकन किया। देश के प्रमुख चित्रकार एवं पद्मश्री से सम्मानित कृष्ण कन्हाई ने बने चित्रों को देखा। कृष्ण की लीलाओं को अलग-अलग कला शैलियों में कैनवास पर साकार देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे ब्रज और भारतीय कला परंपरा के लिए अमूल्य धरोहर बताया। कृष्ण कन्हाई ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की क्रीड़ा स्थली ब्रज में उनकी लीलाओं का चित्रांकन करने के लिए देशभर के चित्रकारों को आमंत्रित करना और उनकी कलाकृतियों को एक स्थान पर सहेजना अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने कहा कि शिविर में तैयार प्रत्येक कैनवास अपने आप में अमूल्य है। इन चित्रों के माध्यम से भगवान की लीलाओं को आने वाली पीढ़ियां भी समझ और देख सकेंगी। उन्होंने कलाकारों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि चित्रकार अपनी कला के माध्यम से भगवान और मनुष्य के बीच भावनात्मक कड़ी का काम करता है। प्रदर्शनी के दौरान कृष्ण कन्हाई ने चित्रकार कंचन प्रकाश, अलका दास, सुमित्रा अहलावत, सुमन डोंगरे, पद्मश्री शांति देवी, मनजीत कौर, नेहा, विनोद, मनोज कुमार, विनीता, अलका, मनीष पाठक, जय त्रिवेदी, प्रिंस राज, पूनम, डॉ. पूनम रानी तथा अन्य कलाकारों की कलाकृतियों को बारीकी से देखा और उनकी प्रशंसा की। इन चित्रों में राधा-कृष्ण के प्रेम एवं प्रकृति से जुड़ाव, कृष्ण की बाल लीलाएं, माखन चोरी, मटकी फोड़ने की लीला, गाय के थन से दूध पीते बाल कृष्ण तथा श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े अनेक प्रसंग अलग-अलग चित्र शैलियों में उकेरे गए हैं। मधुबनी, किशनगढ़ सहित विभिन्न भारतीय कला परंपराओं का समन्वय प्रदर्शनी को विशिष्ट बना रहा है। साहित्यकार कपिल देव उपाध्याय, प्रधानाध्यापक गिर्राज शरण शर्मा, चित्रकार कमलेश्वर, सांझी चित्रकार विश्वजीत, महेश पांडेय, महेश चंद्र शर्मा, पूजा चौधरी, सोनम चौधरी तथा कथावाचक मोहिनी कृष्णदासी सहित अनेक कला एवं साहित्य प्रेमियों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और कलाकारों की कलाकृतियों को सराहा। गीता शोध संस्थान के सभागार में लगी यह प्रदर्शनी लगभग डेढ़ माह तक दर्शकों के लिए उपलब्ध रहेगी। कला प्रेमी, विद्यार्थी, साहित्यकार, शोधार्थी, श्रद्धालु और ब्रज संस्कृति में रुचि रखने वाले लोग यहां पहुंचकर देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकारों द्वारा तैयार कृष्ण लीलाओं के इन चित्रों का अवलोकन कर सकेंगे। प्रदर्शनी के दौरान कोऑर्डिनेटर चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार के साथ डॉ. उमेश चंद्र शर्मा और प्रो. दिनेश खन्ना भी आगंतुकों को कलाकृतियों, उनके विषय और विभिन्न चित्र शैलियों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

बाइक से टांडा पहुंचे कांग्रेस नेता सतीश साहनी, पीड़ित परिवार से की मुलाकात

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। कांग्रेस फिशरमैन के प्रदेश उपाध्यक्ष व उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य सतीश साहनी ने टांडा में पीड़ित परिवार से मुलाकात कर हालचाल लिया। लौटने के बाद उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार डरा और सहमा हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर उस पीड़ित के साथ है जिसके साथ अन्याय होगा। कांग्रेस पार्टी इस अन्याय के विरुद्ध पीड़ित के साथ है। पीड़ित परिवार ने बताया कि दोषियों के विरुद्ध अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। मंत्री संजय निषाद पिताजी के मृत्यु के बाद आये पहले आये होते तो इलाज होने के साथ बच जाते। उन्होंने कहा कि सरकार नेताओं को मिलने से इसलिए रोक रही है कि कहीं सच्चाई उजागर न हो जाय। इस अवसर पर ध्रुव चन्द्र निषाद, दिलीप निषाद, मिट्ठू साहनी आदि लोग मौजूद थे।

17 सितंबर को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनेगा बलदेव छठ महोत्सव

वेलकम इंडिया संवाददाता

जीएम नर्सिंग पैरामेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पीटल के सहयोग से आयोजित होगा बलदेव छठ महोत्सव

मथुरा/गोवर्धन। ब्रजभूमि के प्रसिद्ध दाऊजी महाराज मंदिर, बड़ा बाजार में भगवान बलदेव जी का बलदेव छठ महोत्सव 17 सितंबर को धार्मिक उल्लास और श्रद्धाभाव के साथ मनाया जाएगा। जीएम नर्सिंग पैरामेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पीटल के सहयोग से आयोजित होने वाले महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियां की गई हैं। महोत्सव का शुभारंभ सुबह छह बजे मंगला दर्शन से होगा। सुबह आठ बजे जन्मोत्सव अभिषेक किया जाएगा। दोपहर 12 बजे से श्रद्धालुओं के लिए भंडारा महाप्रसाद और तीन बजे रबड़ी-लड्डू महाभोग का आयोजन होगा। ब्रज साहित्य परिषद न्यास के तत्वावधान में शाम चार से पांच बजे तक काव्य गोष्ठी होगी। इसके बाद शाम पांच बजे से फूल बंगला दर्शन होंगे। शाम सात बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ब्रज के प्रसिद्ध कलाकार भक्ति संगीत की प्रस्तुति देंगे। आयोजकों के अनुसार, महोत्सव का उद्देश्य भगवान बलदेव जी के जन्मोत्सव की धार्मिक परंपरा को श्रद्धा के साथ मनाने के साथ ब्रज की भक्ति, साहित्य और लोक संस्कृति को बढ़ावा देना है। सेवायत श्री बृजेंद्र शर्मा और डॉ. बिन्देश कुमार ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान दाऊजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया है।

ससुराल में युवक के साथ मारपीट का आरोप

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे के मोहल्ला खेल खाला पार निवासी एक युवक ने अपनी ससुराल में उसके साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर थाने में तहरीर दी है। रविवार को कस्बे के मोहल्ला खेल खाला पार निवासी जावेद ने बताया कि वह अपनी ससुराल गांव भभीसा में गमी में अपनी पत्नी के साथ शामिल होने के लिए गया था।

आरोप है कि इसी दौरान उसके साले और एक अन्य युवक ने उसके साथ मारपीट की। किसी तरह वह वहां से बचकर निकला।पीड़ित ने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सपा सांसद अवधेश प्रसाद एवं पूर्व विधायक/मंत्री सैयद अब्बास अली ने संयुक्त रूप से दो सड़कों का फीता काट किया लोकार्पण

वेलकम इंडिया/फतेह खान

शुजागंज/अयोध्या। रुदौली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत दशरथमऊ के पासिन पुरवा में नाला पुलिया से लेकर रामकुमार के घर तक संसद निधि से बनी इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण देर शाम सपा सांसद अवधेश प्रसाद एवं पूर्व विधायक सैयद अब्बास अली जैदी उर्फ रुश्दी मियां ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। इस दौरान लोकार्पण समारोह के दौरान सांसद अवधेश प्रसाद भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान सरकार में मंहगाई अपनी चरम सीमा पर है जिससे नौजवान, किसान बेरोजगार सहित सभी लोग परेशान हैं। इसमें ना तो किसानों को खाद, बीज, मिली और न तो बेरोजगार को रोजगार देने का काम किया योगी जी की सरकार में सिर्फ. छल और जुमलेबाजी है। उन्होंने यह भी कहा कि मेरा सांसद बनना भाजपाइयों को पच नहीं रहा है। अंत में उन्होंने आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर जनता से समाजवादी पार्टी के पक्ष में समर्थन की अपील करते हुए कहा कि जिस तरह जनता ने उन्हें जीत दिलाकर संसद तक पहुंचाने का काम किया है, उसी तरह 2027 में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को समर्थन देकर इतिहास रचने का काम करें। वहीं पूर्व विधायक रुश्दी मियां ने संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अधिलेश यादव की सरकार में लैपटॉप, कन्या विद्या धन, समस्त पेंशन रोजगार नौकरी दी जाती थी जिसको भाजपा सरकार ने युवाओं की छलने ठगने का काम किया गया है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से अपील कर कहा कि अखिलेश यादव की सरकार बनाये सपा की सरकार आते ही कन्या विद्याधन लैपटॉप रोजगार नौकरी समस्त पेशन को फिर से देने का काम किया जाएगा।

वहीं दूसरी ओर उक्त विधानसभा के ही हरिहर पुर बलैया में डामर रोड से सलारू खान के कब्रिस्तान तक सड़क का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर मो अली,श्रीपाल रावत राजीतराम रावत अवसार अहमद, शहाब अख्तर एडवोकेट, रिजवान रसूल, इंजियर रिजवान अहमद, गजाली मियां, अतीक खा,बबलू यादव, फरहान अहमद, मो अबूबकर, सुरजीत चौहान, मो मोहसिन, इकबाल उस्मानी, दीपक कुमार हयात अली सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

आशियाने के लिए जंग लड़ रही मासूम, ताई पर घर में ताला लगाकर निकालने का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। मां-बाप का साया बचपन में ही सिर से उठ गया तो ताई ने सहारा देकर उसकी परवरिश की, लेकिन आरोप है कि समय बीतने के साथ वही ताई मासूम के लिए बेगानी हो गई। थाना गोवर्धन क्षेत्र के गांव अडींग के गामेती मोहल्ला निवासी कल्पना के माता-पिता सावित्री और मनोज कुमार की मृत्यु हो चुकी है। इसके बाद उसकी देखभाल की जिम्मेदारी ताई रुकमणी देवी ने संभाली थी। बच्ची का आरोप है कि बाद में ताई ने उसे घर से निकालकर मकान पर ताला लगा दिया और किसी अन्य व्यक्ति से शादी कर उसके साथ रहने लगी। पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में कल्पना ने आरोप लगाया कि ताई ने मकान में अपने हिस्से का करीब 12 लाख रुपये में सौदा कर दिया। सात जुलाई को वह घर पहुंची और मोटरसाइकिल, अंगूठी, कूलर समेत अन्य सामान अपने साथ ले गई। इसके बाद उसे घर से निकालकर मकान पर ताला लगा दिया गया। विरोध करने पर मारपीट का प्रयास करने तथा पांच अगस्त को विद्यालय के बाहर रोककर मारपीट और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। फिलहाल मासूम अपने छोटे बाबा के साथ रह रही है। उसका कहना है कि मां-बाप के बाद छोटे बाबा ही उसका सहारा हैं। जिस उम्र में उसे पढ़ाई और भविष्य की चिंता करनी चाहिए, उस उम्र में वह अपने घर और जमीन के हक के लिए पुलिस और तहसील के चक्कर काटने को मजबूर है। पीड़िता ने अधिकारियों से मामले की जांच कर उसके घर-जमीन पर अधिकार सुरक्षित कराने और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सघन वृक्षारोपण अभियान: गिरिराज जी की तलहटी में रोपे पौधे, हरियाली का संकल्प लिया

पौध रोपण से लेकर वृक्ष बनने तक की ली जिम्मेदारी, ट्री गार्ड लगाए

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। गिरिराज महाराज की तलहटी में हरियाली के संकल्प को लेकर सिद्ध सिद्धांत योग अकादमी परिसर में सघन वृक्षारोपण अभियान के तहत सैकड़ों पौधे रोपे गए। गिरिराज जी की तलहटी में रोपे गए पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी लगाए गए। पौधा रोपण की शुरूआत मुख्य अतिथि एसडीएम गोवर्धन सुशील कुमार सिंह ने बरगद का पौधा रोपकर की। एसडीएम ने बताया कि पर्यावरण की सुरक्षा करने की जिम्मेदारी हम सबकी है। पौधे से वृक्ष बनने तक के लिए देखवाल जरूरी है। इसीलिए ट्री गार्ड भी लगाए गए हैं।

श्रीपाद रघुनाथ दास गोस्वामी गद्दी राधाकुंड-श्यामकुंड के पीठाधीश्वर महंत केशव दास महाराज ने बताया कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और भारतीय संस्कृति में पेड़-पौधों को सदैव पूजनीय माना है। यहां औषधीय पौधे भी रोपे गए हैं। सिद्ध सिद्धांत योग अकादमी के प्रबंधक दाऊ दयाल लवानियां ने बताया कि बीते 25 साल में गिरिराज महाराज की तलहटी में सवा लाख पौधे रोपे गए हैं। गाजियाबाद से आई बबिता शर्मा ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में एक पौधा लगाकर उसकी देखवाल करनी चाहिए। गिरिराज महाराज की तलहटी में सघन वृक्षारोपण अभियान से लोग धीरे-धीरे जुड़ रहे हैं। इस अवसर पर थाना प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार मिश्र, वन दरोगा अतुल कुमार यादव आदि ने भी पौधे रोपे। अभियान के तहत अर्जुन, नीम, पीपल, बरगद, अशोक, कदम्ब, सहजन आदि के पौधे रोपे गए। इस अवसर पर गौरांग संस्कृत विद्यालय के वेदपाठियों ने आचार्य पंडित निताई दास के निर्देशन में पौधे रोपे। इस अवसर पर महेश माथुर, बबीता शर्मा, रवि उपाध्याय, दीपिका शर्मा, निखिल गुप्ता, मोनिका, रोबिन, कोमल, विष्णु लवानियां, प्रशांत उपाध्याय, मुकेश ब्रजवासी, वासुदेव दास आदि थे।

खेत में जबरन मेड़ लगाने का आरोप, कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे के मोहल्ला गुजरान निवासी किसान ने पड़ोसी पर उसके खेत में जबरन मेड़ लगाने और विरोध करने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।कस्बे के मोहल्ला गुजरान निवासी किसान तारिक ने बताया कि उसका खेत गांव सलेमपुर में स्थित है।

आरोप है कि उसका पड़ोसी आए दिन उसके साथ गाली-गलौज करता रहता है। हाल ही में आरोपी ने उसके खेत में जबरन मेड़ लगा दी। जब उसने और उसके परिवार के लोगों ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने अभद्रता की और उन्हें धमकाया।

पीड़ित का आरोप है कि आरोपी एससी-एसटी समेत अन्य गंभीर धाराओं में झूठा मुकदमा दर्ज कराकर उसे और उसके परिवार को फंसाने की धमकी देता है। किसान ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई और विवाद का निस्तारण कराने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सांसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित, जगदम्बिका पाल का हुआ भव्य स्वागत

संगठन के पदाधिकारियों एवं हजारों कार्यकताओं ने जगह-जगह किया जोरदार अभिनन्दन, लोहिया कला भवन में आयोजित हुआ स्वागत समारोह

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। सांसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित होने के उपरान्त डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद जगदम्बिका पाल के अपने संसदीय क्षेत्र में प्रथम आगमन पर सिद्धार्थनगर जनपद में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं क्षेत्रवासियों द्वारा जगह-जगह भव्य स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। सांसद जगदम्बिका पाल के जनपद की सीमा लोहरौली डिडई पर पहुंचते ही जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य की अध्यक्षता में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों एवं हजारों कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। लोहरौली बॉर्डर के उपरान्त डुमरियागंज विधान सभा के डिडई चौराहे पर उपेन्द्र सिंह तथा कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया बांसी विधान सभा के तिलौली चौराहे पर तथा पूजा पाल के नेतृत्व में बांसी में भव्य स्वागत किया गया तथा सांसद जगदम्बिका पाल ने माधव बाबू की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इसके उपरान्त ककराही में रिंकू पाल एवं संगठन के कार्यकताओं ने सांसद का स्वागत किया। वहीं सनई चौराहे पर मण्डल अध्यक्ष सतीश रस्तोगी की अध्यक्षता में मण्डल के कार्यकताओं ने तथा शोहरतगढ़ विधानसभा के लोग सांसद प्रभारी सूर्य प्रकाश पाण्डेय, नगर अध्यक्ष सुनील अग्रहरि, रवि अग्रवाल शिवा तिवारी आदि ने भव्य स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रमों की श्रृंखला के क्रम में संगठन एवं जनपदवासियों की ओर से लोहिया कला भवन में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सांसद जगदम्बिका पाल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ह्लसांसद रत्न पुरस्कार मिलना मेरे लिए गौरव की बात है, लेकिन यह सम्मान अकेले मेरा नहीं, बल्कि डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र की जनता, पार्टी के कार्यकताओं और उन सभी लोगों का सम्मान है, जिन्होंने मुझे संसद तक पहुंचाने का कार्य किया। आप जैसे कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों के सहयोग एवं आशीर्वाद के बिना यह संभव नहीं हो पाता ह्व उन्होंने कहा कि डुमरियागंज की जनता ने हमेशा उन्हें अपना स्नेह और विश्वास दिया है। सांसद रत्न पुरस्कार के रूप में मिला यह सम्मान क्षेत्र की जनता के प्रति उनकी जिम्मेदारी को और बढ़ाता है तथा वे पूरी निष्ठा के साथ क्षेत्र के विकास एवं जनसेवा के लिए निरन्तर कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दीपक मौर्य, पूर्व जिला अध्यक्ष गोविन्द माधव, रामकुमार कुंवर, बृज बिहारी मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शीतल सिंह, उपेन्द्र सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र पाण्डेय, मोनी पाण्डेय, डॉ0 सीमा मिश्रा, फते बहादुर सिंह, पवन मिश्रा, अनुराग श्रीवास्तव, विपिन सिंह, फूलचन्द जायसवाल, रमेश मणि त्रिपाठी सहित संगठन के बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। वहीं सांसद जगदम्बिका पाल के सम्मान में आयोजित स्वागत कार्यक्रमों से पूरे जनपद में उत्साह का माहौल रहा। कार्यकताओं ने इसे डुमरियागंज संसदीय क्षेत्र और सिद्धार्थनगर की जनता के लिए गौरव का क्षण बताया।

बाणगंगा नदी में किशोर द्वारा आत्महत्या का किया गया प्रयास, पुलिस ने बचाई जान

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर (असदुल्लाह सिद्दीकी)। क्षेत्र के बाणगंगा नदी में रविवार को किशोर द्वारा आत्महत्या का प्रयास को लेकर पुलिस कर्मियों की तत्परता एवं साहस से किशोर की जान बचाई गई। थाना शोहरतगढ़ क्षेत्रान्तर्गत बाणगंगा पुल पर एक किशोर द्वारा आत्महत्या करने के उद्देश्य से पुल से नीचे कूदने का प्रयास किया जा रहा था, तभी बाणगंगा पिकेट ड्यूटी पर तैनात जवानों ने तत्काल सजगता, तत्परता एवं साहस का परिचय देते हुए उक्त किशोर को सुरक्षित बचा लिया गया। वहीं किशोर की पहचान 17 वर्षीय रितेश तिवारी पुत्र मुन्नु तिवारी निवासी अगया थाना शोहरतगढ़ के रूप में हुई। वहीं पुलिस कर्मियों द्वारा किशोर को सकुशल थाना शोहरतगढ़ लाकर उसके परिजनों को तत्काल सूचित किया गया। किशोर की माता श्रीमती मीना तिवारी को मोबाइल पर सूचना देकर थाने पर बुलाया गया। आवश्यक कार्यवाही एवं परिजनों को सुपुर्दगी की कार्यवाही पूर्ण करते हुए किशोर रितेश तिवारी को उसकी माता श्रीमती मीना तिवारी के सुपुर्द किया गया। इस दौरान मौके पर उपस्थित स्थानीय जनता द्वारा पुलिस कर्मियों के इस मानवीय, सराहनीय एवं साहसिक कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

होम्योपैथी में शोध का परचम, डॉ. भास्कर शर्मा को 'वर्ष के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक' सम्मान

अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वैज्ञानिक सम्मान

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

इटवा/सिद्धार्थनगर। होम्योपैथी चिकित्सा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए जिले के प्रो. डॉ. भास्कर शर्मा को 'बेस्ट साइंटिस्ट ऑफ द ईयर' सम्मान से नवाजा गया। 12 सितंबर को तमिलनाडु की वैज्ञानिक सम्मान समिति की ओर से उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. शर्मा लंबे समय से होम्योपैथी चिकित्सा के साथ शोध एवं अनुसंधान कार्यों से जुड़े हैं। उनके चिकित्सा और शोध क्षेत्र में योगदान को देखते हुए उन्हें यह सम्मान दिया गया है। सम्मान मिलने पर जिले के चिकित्सकों, शिक्षाविदों, शोधकताओं और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता जताई। डॉ. दिनेश कुमार मौर्य, डॉ. कल्याण स्वरूप, डॉ. नसीम अख्तर और डॉ. विकास उपाध्याय ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के सम्मान युवा शोधकताओं को चिकित्सा और अनुसंधान के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।

पीडीए के सहारे 2027 की तैयारी में जुटी सपा, लुकटिहाई में सपा नेता राजकुमार राजू ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर रविवार को 129 विधानसभा पूरनपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत लुकटिहाई में पीडीए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय, संविधान की मजबूती और समाज के सभी वर्गों की भागीदारी को लेकर चर्चा हुई। कार्यक्रम के आयोजक समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार 'राजू' रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने की। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अरशद खान रहे। विशिष्ट अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष उमाशंकर यादव और कल्याण सिंह सरोज रहे। संचालन ओम शर्मा ने किया।पूर्व विधायक अरशद खान ने कहा कि पीडीए समाज के उन वर्गों की आवाज है, जिन्हें उनके अधिकार और सम्मान से वंचित रखा गया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष कर रही है।कार्यक्रम आयोजक राजकुमार 'राजू' ने कहा कि पीडीए की असली ताकत गांव-गांव और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने में है। समाज के हर वर्ग को सम्मान, अधिकार और राजनीतिक भागीदारी दिलाना पार्टी का लक्ष्य है। उन्होंने कार्यकताओं से आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और पीडीए के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। साथ ही 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए एकजुट होकर जुटने का आह्वान किया।

विधानसभा अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं। प्रत्येक गांव और बूथ तक पीडीए के संदेश को पहुंचाने के लिए कार्यकताओं को पूरी मजबूती से काम करना होगा। पूर्व जिलाध्यक्ष उमाशंकर यादव ने भाजपा सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि जनता बदलाव चाहती है। कल्याण सिंह सरोज ने कहा कि पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, किसान, मजदूर और नौजवानों की भागीदारी लोकतंत्र को मजबूत करती है।कार्यक्रम में विधानसभा उपाध्यक्ष सतीश वर्मा, मीता सिंह, ओमकार भारती, नरेश वर्मा, रामप्रताप वर्मा, अनिल वर्मा, भगवानदीन वर्मा, रजनीश यादव, रमेश वर्मा, इंद्रपाल सिंह, डॉ. जीतेन्द्र वर्मा, महेश भारद्वाज, रघुवीर वर्मा, प्रशांत अवस्थी, पूर्व प्रधान जमुना समेत पार्टी पदाधिकारी, जोन व सेक्टर प्रभारी, बूथ अध्यक्ष, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में कार्यकताओं ने पीडीए की विचारधारा को मजबूत करने और अखिलेश यादव के नेतृत्व में 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

बिजली कटौती और स्मार्ट मीटर की बढ़ती रीडिंग से उपभोक्ता परेशान

पूरनपुर/पीलीभीत। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को लेकर उपभोक्ताओं की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। आए दिन घंटों बिजली गुल रहने से लोग गर्मी और उमस से बेहाल हैं। दूसरी ओर स्मार्ट मीटर लगने के बाद कई उपभोक्ताओं ने बिजली की रीडिंग तेजी से बढ़ने और अपेक्षा से अधिक बिल आने की शिकायतें की हैं। इससे उपभोक्ताओं में विभागीय व्यवस्था को लेकर नाराजगी बढ़ रही है।उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली कटौती का कोई निश्चित समय नहीं रह गया है। दिन और रात में कई बार आपूर्ति बाधित होने से घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहे हैं। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली गुल होने से बच्चों, बुजुर्गों और दुकानदारों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी खराब बताई जा रही है, जहां फाल्ट होने के बाद आपूर्ति बहाल होने में काफी समय लग जाता है।इसी बीच स्मार्ट मीटर को लेकर भी उपभोक्ताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं। लोगों का कहना है कि मीटर लगने के बाद बिजली की खपत की रीडिंग पहले की अपेक्षा तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है।

सजेगा-संवरेगा मां गोमती का उद्गम स्थल, 1.04 करोड़ रूपये की परियोजना से बढ़ेंगी श्रद्धालुओं की सुविधाएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

माधोटांडा/पीलीभीत। ग्राम माधोटांडा स्थित पवित्र मां गोमती उद्गम स्थल के कायाकल्प की दिशा में रविवार को एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। पर्यटन विभाग से स्वीकृत करीब एक करोड़ चार लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भाजपा विधायक बाबूराम पासवान और ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ने विधि-विधान से हवन-पूजन कर शिलान्यास किया। विकास परियोजना के पूरा होने के बाद गोमती उद्गम स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को पहले से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान मां गोमती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। जनप्रतिनिधियों और मौजूद लोगों ने उद्गम स्थल के विकास कार्यों के शीघ्र पूर्ण होने तथा क्षेत्र में सुख-समृद्धि की कामना की। परियोजना के तहत उद्गम स्थल परिसर में मल्टीपर्पज हॉल का निर्माण कराया जाएगा। यह हॉल विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और अन्य आयोजनों के साथ श्रद्धालुओं के विश्राम के लिए भी उपयोगी होगा।इसके अलावा परिसर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त शौचालयों का निर्माण, सोलर स्ट्रीट लाइट, बैठने के लिए बेंच और छांव के लिए कैनोपी लगाई जाएंगी। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के साथ परिसर की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग स्थानों पर डस्टबिन लगाए जाएंगे। इन व्यवस्थाओं से उद्गम स्थल पर आने वाले लोगों को काफी सहूलियत मिलने की उम्मीद है।गोमती उद्गम स्थल धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण स्थान है। यहां वर्षभर श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है। विभिन्न पर्वों और विशेष अवसरों पर बड़ी संख्या में लोग मां गोमती के उद्गम स्थल पर पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसे में लंबे समय से यहां बेहतर सुविधाओं की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।कार्यक्रम के दौरान आयोजकों ने कहा कि विकास परियोजना पूरी होने के बाद उद्गम स्थल का स्वरूप और बेहतर होगा। मूलभूत सुविधाएं बढ़ने से श्रद्धालुओं को सुविधा मिलने के साथ ही क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को भी गति मिलने की संभावना है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और कारोबार के अवसर बढ़ने की उम्मीद जताई गई।शिलान्यास कार्यक्रम के बाद उद्गम स्थल परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की मौजूदगी रही।

हाथियों की दस्तक से किसान दहशत में, फसलें बर्बाद

एक सप्ताह से जंगल से निकलकर खेतों में पहुंच रहा झुंड, धान-गन्ने की फसल रौंदी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के जंगल किनारे बसे गांवों में जंगली हाथियों के झुंड की लगातार दस्तक से किसानों में दहशत का माहौल है। करीब एक सप्ताह से हाथी जंगल से निकलकर खेतों में पहुंच रहे हैं और धान व गन्ने की खड़ी फसलों को रौंदकर भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। शुक्रवार और शनिवार की रात भी हाथियों के झुंड ने कई किसानों के खेतों में पहुंचकर फसलें बर्बाद कर दीं।किसानों के अनुसार हाथियों ने विजय बहादुर सिंह की करीब एक एकड़ धान व गन्ने की फसल को नुकसान पहुंचाया। वहीं ओम प्रकाश की एक एकड़ धान, दीनदयाल की तीन बीघा धान और धीरज की दो बीघा गन्ने की फसल हाथियों ने रौंद दी। इसके अलावा प्रहलाद की पांच बीघा धान, चंद्रदेव की चार बीघा गन्ना, धनराजी की तीन बीघा गन्ना, शिवपूजन की पांच बीघा और तारकेसर की पांच बीघा गन्ने की फसल भी हाथियों की चपेट में आ गई। फसल तैयार होने के समय हुए इस नुकसान ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। किसानों का कहना है कि धान और गन्ने की फसल में उन्होंने महीनों मेहनत और पूंजी लगाई है। ऐसे समय में हाथियों द्वारा फसलें रौंदे जाने से उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। वहीं रात के समय खेतों में हाथियों की मौजूदगी के कारण ग्रामीणों को जान-माल की सुरक्षा की भी चिंता सताने लगी है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि हाथियों की आवाजाही पर समय रहते प्रभावी रोक नहीं लगाई गई तो आने वाले दिनों में नुकसान और बढ़ सकता है। किसानों ने वन विभाग से प्रभावित खेतों का तत्काल सर्वे कराकर नुकसान का आकलन कराने, नियमानुसार मुआवजा दिलाने, हाथियों की लगातार निगरानी बढ़ाने तथा उन्हें जंगल से निकलकर खेतों और आबादी की ओर आने से रोकने के लिए प्रभावी इंतजाम करने की मांग की है। किसानों ने विभागीय टीम से रात में गश्त बढ़ाने की भी अपील की है।

बाढ़-कटान का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो 2 अक्टूबर को सामूहिक उपवास की चेतावनी

चंदिया हजारा में ग्रामीणों की बैठक, शासन-प्रशासन को आंदोलन तेज करने का अल्टीमेटम

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। चंदिया हजारा क्षेत्र में शारदा नदी के लगातार कटान और बाढ़ की समस्या को लेकर रविवार को ग्रामीणों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में क्षेत्र की वर्षों पुरानी मूलभूत समस्याओं पर चर्चा करते हुए शासन और प्रशासन से जल्द स्थायी समाधान कराने की मांग उठाई गई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं कराया गया तो 2 अक्टूबर को सामूहिक उपवास किया जाएगा। इस संबंध में जल्द ही प्रशासन को ज्ञापन सौंपने की भी बात कही गई।बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि शारदा नदी के बाढ़ और भू-कटान से क्षेत्र के लोगों को लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है। बार-बार होने वाले कटान से कृषि भूमि और आबादी पर खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने बाढ़-कटान की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग प्रमुखता से उठाई। इसके अलावा विस्थापित परिवारों की भूमि पर श्रेणी-1 के अधिकार प्रदान करने की मांग की गई। बंगला भाषी परिवारों को हिंदू वर्ण व्यवस्था के तहत मान्यता देने तथा सामान्य वर्ग में शामिल किए जाने की स्थिति में पात्र परिवारों को ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र जारी करने के लिए शासन स्तर से अधिसूचना जारी करने की मांग भी रखी गई। ग्रामीणों ने चंदिया हजारा और खिरकिया बरगदिया के बीच जलभराव वाले क्षेत्र से पानी की निकासी के लिए प्रभावी व्यवस्था कराने की मांग की। साथ ही चंदिया हजारा सहित आसपास के दर्जनों गांवों की विद्युत व्यवस्था सुचारू रखने के लिए हरिपुर वन क्षेत्र में भूमिगत बिजली लाइन बिछाने की मांग उठाई गई। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक भूमिगत लाइन का कार्य नहीं होता, तब तक 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन के तारों को सुरक्षित तरीके से स्थापित किया जाए। बैठक में चंदिया हजारा के लोक निर्माण विभाग के संपर्क मार्ग का पुनर्निर्माण कराने की मांग भी उठी। ग्रामीणों ने कहा कि आगामी गन्ना पेराई सत्र शुरू होने से पहले सड़क का निर्माण कराया जाना जरूरी है, ताकि किसानों को चीनी मिल तक गन्ना पहुंचाने में परेशानी न हो। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। इसके लिए प्रशासन को शीघ्र ज्ञापन सौंपने और 2 अक्टूबर को सामूहिक उपवास करने की चेतावनी दी गई।

त्योहारों में सौहार्द बनाए रखने की अपील, डीजे संचालकों को दी हिदायत

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। गणेश चतुर्थी और विश्वकर्मा पूजा को लेकर रविवार शाम पुलिस चौकी बिस्कोहर परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। त्रिलोकपुर थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में हुई बैठक में बिस्कोहर सहित सिकौथा, इमिलिया, लमुइया, फूलपुर राजा , बस्ती बरगदवा और आसपास के गांवों के पूजा आयोजक , डीजे संचालक व क्षेत्रीय लोग शामिल हुए। थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा ने कहा कि त्योहार आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं। पूजा पंडालों में सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं देने और अफवाह फैलाने वालों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शांति व्यवस्था बिगाड़ने अथवा माहौल खराब करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में डीजे संचालन को लेकर भी आयोजकों और संचालकों को आवश्यक निर्देश दिए गए। डीजे संचालकों को फूहड़ एवं आपत्तिजनक गाने न बजाने, निर्धारित ध्वनि सीमा में ही डीजे बजाने तथा डीजे के ऊपर किसी व्यक्ति को न बैठाने की सख्त हिदायत दी गई। पुलिस ने कहा कि त्योहार के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। चौकी प्रभारी अमित कुमार शाही ने पूजा आयोजकों से पंडालों में आवश्यक व्यवस्थाएं रखने और पुलिस-प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा। उन्होंने बताया कि त्योहारों के दौरान क्षेत्र में पुलिस लगातार निगरानी रखेगी। किसी भी समस्या या विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की। बैठक के दौरान पूजा आयोजकों से प्रतिमा विसर्जन स्थलों की स्थिति और साफ-सफाई के बारे में भी जानकारी ली गई।आयोजकों ने कुछ विसर्जन स्थलों पर साफ-सफाई और व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग रखी। इस पर थानाध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर विसर्जन स्थलों की व्यवस्था ठीक कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान लेखपाल पन्ना लाल यादव, सुरेश पांडेय, प्रिंस पांडेय, मोहम्मद आरिफ, नृपेंद्र सिंह, पप्पू पांडेय, किशन पासवान, रोहित भोजवाल, लवकुश कश्यप, राम नरेश पासवान समेत पूजा आयोजक और क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

विश्वकर्मा पूजा पर सेवा का संकल्प लें: हंसराज विश्वकर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस सेवा और सामाजिक सरोकार के साथ मनाने का आह्वान

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। कंचनपुर स्थित राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा के आवास पर रविवार को विश्वकर्मा समाज की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना के साथ प्रधानमंत्री एवं वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस सेवा, समर्पण और सामाजिक सरोकार के रूप में मनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में समाज के लोगों से जनसेवा के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि 17 सितंबर विश्वकर्मा वंशियों के लिए अत्यंत पावन दिन है। इस दिन भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की जाती है और इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस भी है। ऐसे में प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक दायित्व के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि भगवान विश्वकर्मा की पूजा के साथ अस्पतालों, अनाथालयों, वृद्धजनों और जरूरतमंद लोगों के बीच सेवा कार्य किए जाएं। जरूरतमंदों को भोजन, फल एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के साथ ही गरीब और वंचित परिवारों की सहायता की जाए। हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा केवल निर्माण और शिल्प के देवता नहीं हैं, बल्कि सृजन, श्रम, कौशल, कर्म और मानव कल्याण की प्रेरणा के प्रतीक हैं। उनका संदेश किसी एक समाज तक सीमित नहीं है। उनके आदर्शों से हमें श्रम का सम्मान करने, कौशल को बढ़ावा देने और अपने कार्यों के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर सभी को सेवा, समर्पण और राष्ट्रनिर्माण का संकल्प लेना चाहिए। भगवान विश्वकर्मा से प्रार्थना करनी चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर शक्ति प्रदान करें, ताकि वे देश को विकास और प्रगति की नई दिशा देने के लिए निरंतर कार्य करते रहें। विश्वकर्मा सभा चौकाघाट वाराणसी के कार्यवाहक अध्यक्ष सोमनाथ विश्वकर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विश्वकर्मा समाज के उत्थान तथा पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को सम्मान एवं अवसर देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना ने देश के कारीगरों और शिल्पकारों को नई पहचान देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को केवल उत्सव तक सीमित रखने के बजाय सेवा और समाज के प्रति जिम्मेदारी का पर्व बनाया जाना चाहिए। जरूरतमंदों की सहायता, अस्पतालों में फल वितरण, अनाथालयों में सेवा तथा गरीब और वंचित परिवारों की मदद जैसे कार्यों के माध्यम से भगवान विश्वकर्मा के आदर्शों को आत्मसात किया जा सकता है। बैठक में प्राचार्य भारत विश्वकर्मा, मंत्री अनिल शर्मा, डॉ. रामचंद्र शर्मा, उमेश विश्वकर्मा, श्यामसुंदर विश्वकर्मा, हीरालाल विश्वकर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा, एडवोकेट विनोद विश्वकर्मा, गोपाल विश्वकर्मा, श्याम जी जांगड़ा, अनिल विश्वकर्मा, अभय विश्वकर्मा और घनश्याम विश्वकर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

काउंसलिंग से सुलझे तीन दंपतियों के विवाद, साथ रहने को हुए राजी

बुलंदशहर (वेलकम इंडिया)। मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस की काउंसलिंग से तीन दंपतियों के पारिवारिक विवाद का समाधान कराया गया। थाना खुर्जा देहात, रामघाट और सिकंदराबाद की मिशन शक्ति टीमों ने दोनों पक्षों की समस्याएं सुनकर आपसी सहमति से समझौता कराया। पुलिस के अनुसार, 13 सितंबर को वैवाहिक विवाद से संबंधित तीन प्रार्थना पत्रों में दोनों पक्षों के लोग उपस्थित हुए। काउंसलिंग के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की बात सुनी और आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने पर राजी हुए। दंपतियों ने एक-दूसरे को विश्वास दिलाया कि वे बीती बातों को भूलकर नवजीवन की शुरूआत करेंगे और हंसी-खुशी साथ रहेंगे। प्रभारी महिला सेल एवं काउंसलरों ने दंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए समझाया कि भविष्य में छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद न करें और आपसी प्रेम व विश्वास के साथ जीवन बिताएं।

विश्व हिंदू परिषद के 62वें स्थापना दिवस पर भव्य कार्यक्रम आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई। विश्व हिंदू परिषद के 62वें स्थापना दिवस के मौके पर नगर के सरस्वती शिशु मंदिर, रेलवे रोड, डिबाई में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों, कार्यकताओं, सामाजिक कार्यकताओं तथा नगर के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूज्य डॉ. सुरेन्द्रानन्द गिरि महाराज, अनंत विभूषित श्री श्री 1008 श्री महामंडलेश्वर एवं विश्व हिंदू परिषद केंद्रीय मार्गदर्शक, अरुण पांचजन्यप्रांत संगठन मंत्री, विश्व हिंदू परिषद, पुनीत लोधी, डिबाई तथा डॉ.सुबोध कुमार, जिला अध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद, अनूपशहर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में हिंदू समाज की एकजुटता, जनसंख्या में हो रहे परिवर्तन, जनसंख्या असंतुलन, पलायन, सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक संरक्षण तथा समाज को संगठित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज की विभिन्न चुनौतियों के समाधान के लिए जागरूकता, संगठन, सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग एवं सकारात्मक सामाजिक भागीदारी आवश्यक है। समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी संस्कृति, परंपराओं एवं सामाजिक मूल्यों के प्रति सजग रहते हुए समाज एवं राष्ट्रहित में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकताओं एवं अतिथियों ने विश्व हिंदू परिषद के सेवा, संस्कार, संगठन एवं समाजहित से जुड़े कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री ईश्वर सिंह व भू प्रकाश बजाज ने किया। इसके दौरान क्षेत्रीय विधायक चंद्रपाल सिंह लोधी, पूर्व राज्य मंत्री राजीव लोधी, पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास वार्ष्णेय, विद्या मंदिर प्रबंधक गिरिराज वार्ष्णेय, नगर संघ चालक राजेश आर्य, तिलक राज साहनी, अशोक जायसवाल, राजेंद्र आर्य, डॉ.देवेंद्र एवं सुरेश चंद्र तायल, सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विश्व हिंदू परिषद द्वारा सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों का आभार व्यक्त किया गया।

'अप्सरा' थीम पर सजा रोटरी क्लब काशी का तीज समारोह

पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने बिखेरी भारतीय संस्कृति की मनमोहक छटा

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। रोटरी क्लब काशी की ओर से होटल तंदूरी टेम्पटेशन में भव्य तीज समारोह का आयोजन हर्षोल्लास और उमंग के साथ किया गया। 'अप्सरा' थीम पर आयोजित समारोह में क्लब की महिला सदस्यों ने पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। रंग-बिरंगे परिधानों और आकर्षक अंदाज में सजी महिलाओं ने समारोह की रौनक बढ़ा दी। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। तीज के पारंपरिक उल्लास के साथ महिलाओं ने गीत-संगीत, मनोरंजक गतिविधियों और विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गीत-संगीत की धुनों के बीच महिलाओं ने जमकर आनंद उठाया। कार्यक्रम के दौरान आपसी प्रेम, सौहार्द और आत्मीयता की भावना देखने को मिली, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय बना रहा। 'अप्सरा' थीम ने समारोह को अलग आकर्षण प्रदान किया। महिलाओं ने अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए थीम के अनुरूप खुद को प्रस्तुत किया। पारंपरिक भारतीय संस्कृति और आधुनिक उत्सव के सुंदर समन्वय ने कार्यक्रम को खास बना दिया। समारोह में महिला सदस्यों के बीच उत्साह और आपसी सहभागिता देखते ही बन रही थी। कार्यक्रम को सफल एवं यादगार बनाने में रो. ममता सिंह, विजया तिवारी, अमरीन खान, ज्योति पाण्डेय, अंकिता श्रीवास्तव, पूनम अग्रवाल, सीमा पाण्डेय, शालिनी कपूर सहित क्लब की सभी महिला सदस्यों का विशेष योगदान रहा। सभी के सामूहिक प्रयास और सक्रिय सहभागिता से समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। क्लब की प्रथम महिला रो. संगीता जायसवाल ने समारोह की सफलता पर सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से ज्योति पाण्डेय और अमरीन खान के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब काशी के सदस्यों की एकजुटता, उत्साह और सक्रिय सहभागिता ही क्लब की सबसे बड़ी ताकत है। सभी के सहयोग से तीज समारोह बेहद यादगार और आनंदमय बन सका। उन्होंने कहा कि भारतीय पर्व और त्योहार हमारी समृद्ध संस्कृति एवं परंपराओं के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन न केवल उत्सव का अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द को भी मजबूत करते हैं।

संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया अपना दमखम, कबड्डी में उच्च प्राथमिक विद्यालय पीएसी नैनी विजेता

प्रयागराज (वेलकम इंडिया)। उच्च प्राथमिक विद्यालय पीएसी नैनी नगर क्षेत्र प्रयागराज के तत्वावधान में संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। प्रतियोगिता में नैनी संकुल के प्राथमिक विद्यालय पूरा फतेहमुहम्मद, प्राथमिक विद्यालय नैनी बाजार, प्राथमिक विद्यालय खरकौनी, प्राथमिक विद्यालय महेवा कन्या तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय पीएसी नैनी के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन संकुल नैनी एवं प्रधानाध्यापक राशिद महमूद द्वारा किया गया। खेलकूद कार्यक्रम का संचालन विमल कुमार जायसवाल (प्राथमिक विद्यालय नैनी बाजार), श्रीमती सरिता सिन्हा (प्राथमिक विद्यालय पूरा फतेहमुहम्मद) एवं रवीन्द्र कुमार केसरवानी ने किया। प्रतियोगिता के कार्यक्रम संयोजक मोहम्मद रिजवान, उच्च प्राथमिक विद्यालय पीएसी नैनी रहे। प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित 50 मीटर बालक दौड़ में प्राथमिक विद्यालय पूरा फतेहमुहम्मद के अंश ने प्रथम, प्राथमिक विद्यालय नैनी बाजार के सत्यम ने द्वितीय तथा प्राथमिक विद्यालय खरकौनी के विवेक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं 100 मीटर बालक दौड़ में उच्च प्राथमिक विद्यालय पीएसी नैनी के सुजीत कुमार प्रथम, प्राथमिक विद्यालय खरकौनी के विवेक भारतीया द्वितीय तथा प्राथमिक विद्यालय महेवा के मनीष तृतीय रहे। 50 मीटर बालिका दौड़ में उच्च प्राथमिक विद्यालय पीएसी नैनी की अर्पिता गौड़ ने प्रथम, प्राथमिक विद्यालय पूरा फतेहमुहम्मद की वर्तिका ने द्वितीय तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय पीएसी नैनी की परी शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता की कबड्डी बालक वर्ग में उच्च प्राथमिक विद्यालय पीएसी नैनी ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। कार्यक्रम के समापन पर विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षक-शिक्षिकाओं, अभिभावकों एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक श्री मुहम्मद रिजवान ने आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विमल कुमार जायसवाल, श्रीमती सरिता सिन्हा, श्रीमती सरिता शुक्ला, राशिद महमूद, मुहम्मद रिजवान, रवीन्द्र कुमार केसरवानी, श्रीमती मोनिका तिवारी, श्रीमती सोनामती, श्रीमती रश्मि सिंह, श्रीमती सुषमा कनौजिया सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावकगण, शिक्षक-शिक्षिकाएं, शिक्षामित्र एवं विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

95 बटालियन सीआरपीएफ और नगर निगम ने चलाया बृहद स्वच्छता अभियान

जनजागरूकता रैली के साथ पौधारोपण, विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने लगाया 'पेड़ मां के नाम'

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। सृजन सामाजिक विकास न्यास, 95 बटालियन सीआरपीएफ और नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में साकेत नगर कॉलोनी में बृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान जनजागरूकता रैली निकाली गई और साकेत नगर पार्क नंबर एक में पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों, सामाजिक कार्यकताओं और सीआरपीएफ के जवानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कॉलोनीवासियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाने और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया। उन्होंने स्वयं 'पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधा लगाया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की नहीं, बल्कि काशीवासियों सहित देश के प्रत्येक नागरिक की है। स्वच्छ और स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। कार्यक्रम की अगुवाई पर्यावरण ऋषि एवं गंगा हरितिमा अभियान के ब्रांड एंबेसडर अनिल कुमार सिंह ने की। उन्होंने उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के साथ कम से कम एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे 95 बटालियन सीआरपीएफ के कमांडेंट एस. बालापुरकार ने लोगों से इस अभियान से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता जैसे अभियानों को जनभागीदारी से ही सफल बनाया जा सकता है। इस दौरान पार्षद प्रतिनिधि राजीव पटेल, पूर्व एमएलसी केदारनाथ सिंह, समाजसेवी सुधीर सिंह, अशोक पटेल सहित बड़ी संख्या में कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने अभियान में सहभागिता की। श्रीकांत पांडेय भी अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने सृजन सामाजिक विकास न्यास और गंगा हरितिमा अभियान के ब्रांड एंबेसडर अनिल कुमार सिंह के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और स्वच्छता के क्षेत्र में उनके निरंतर प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं।

यतीन्द्र नाथ दास की शहादत को किया नमन, वर्तमान परिस्थितियों में कार्यभार पर हुआ मंथन

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। अमर शहीद यतीन्द्र नाथ दास के शहादत दिवस के अवसर पर रविवार को भारत की क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) की ओर से अखिल भारतीय सरदार पटेल सेवा संस्थान, अलोपी बाग, प्रयागराज में सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अमर शहीद यतीन्द्र नाथ दास सहित देश के तमाम क्रांतिकारी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष, त्याग और विचारों को याद किया गया। सेमिनार का विषय ह्लक्रान्तिकारी अमर शहीदों की शहादत का लक्ष्य-उद्देश्य और वर्तमान स्थितियों में हमारा कार्यभारह्व रहा। इस दौरान वक्ताओं ने शहीदों के संघर्ष और बलिदान को वर्तमान परिस्थितियों से जोड़ते हुए सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों पर विस्तार से मंथन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता का० आनंद प्रकाश मिश्र, महामंत्री आर.एस.पी.आई. (एम.एल.) ने अमर शहीद यतीन्द्र नाथ दास के जीवन, संघर्ष और बलिदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारी शहीदों की शहादत महज इतिहास का हिस्सा नहीं है, बल्कि उनके विचार और संघर्ष आज भी समाज को दिशा देने का काम करते हैं। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों में संगठन एवं कार्यकताओं की भूमिका और जिम्मेदारियों पर भी विस्तार से चर्चा की। सेमिनार में योगेश नन्दन, सत्या पाण्डेय, अमित साव, ब्रह्मदेव गुप्ता, साथी देव सिंह एवं अनिल सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि शहीदों के आदर्शों और उनके संघर्ष को समझते हुए उनके विचारों को समाज के बीच पहुंचाना आज भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राम हरख ने की, जबकि संचालन रीतेश श्रीवास्तव ने किया। आयोजन को सफल बनाने में ए.पी. मिश्र, रितेश श्रीवास्तव, कपिलदेव यादव एवं सनी केसरी (मीडिया प्रभारी) सहित पार्टी के कार्यकताओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। सेमिनार के अंत में अमर शहीद यतीन्द्र नाथ दास सहित देश के सभी क्रांतिकारी शहीदों के संघर्ष एवं आदर्शों को नमन करते हुए उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और वर्तमान परिस्थितियों में संगठनात्मक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में पार्टी से जुड़े पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

तीज पर जरूरतमंद महिलाओं के चेहरों पर खिली मुस्कान, दयाशंकर मिश्र 'दयालु गुरु' ने बांटी साड़ी और श्रृंगार सामग्री

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। तीज पर्व के अवसर पर स्वर्गीय कलावती देवी रघुनाथ प्रसाद अग्रहरी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रविवार को हुकूलगंज स्थित कार्यालय पर सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आसपास के क्षेत्र की गरीब, असहाय, वृद्ध और विधवा महिलाओं को उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष विभाग के कैबिनेट मंत्री दयाशंकर मिश्र ह्यदयालु गुरुह्ल के हाथों साड़ी और श्रृंगार सामग्री वितरित की गई। उपहार पाकर महिलाओं के चेहरों पर खुशी और मुस्कान देखने को मिली। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु गुरु' ने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति का दायित्व है। तीज भारतीय सभ्यता और संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर महिलाएं नए वस्त्र धारण कर श्रृंगार करती हैं और अपने पति की दीर्घायु एवं सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। ऐसे में गरीब और असहाय महिलाओं के बीच वस्त्र एवं श्रृंगार सामग्री का वितरण सराहनीय पहल है।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि लक्ष्मी मेडिकल के एमडी डॉ. अशोक कुमार राय और ओम सर्वैसरी साड़ी समूह के अधिष्ठाता अरुण अग्रहरी ने कहा कि समाज के लोगों को संस्था के अध्यक्ष प्रमोद अग्रहरी से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रमोद अग्रहरी पिछले 17 वर्षों से लगातार अपने माता-पिता की पुण्यतिथि के अवसर पर जरूरतमंद महिलाओं को साड़ी वितरित करते आ रहे हैं। इसके अलावा सर्दियों में जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण भी किया जाता है। सेवा कार्यों की यह निरंतरता समाज के लिए प्रेरणादायक है। वाराणसी व्यापार मंडल काशी प्रांत के अध्यक्ष प्रमोद अग्रहरी ने कहा कि वह गरीब और जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर से उनकी प्रार्थना है कि उन्हें निरंतर इसी तरह दीन-दुखियों की सेवा करने की शक्ति और अवसर मिलता रहे। कार्यक्रम का संचालन बबलू अग्रहरी ने किया।

एसआरएम आई एस टी में शिक्षक दिवस 2026 का भव्य एवं गरिमामय आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी , दिल्ली-एनसीआर कैंपस, मोदीनगर, गाजियाबाद में ईश्वरी ऑडिटोरियम में शिक्षक दिवस 2026 का उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्थान के विकास तथा राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की गई।

यह कार्यक्रम 'ऑनरइंग द गुरुस हु इन्स्पायर जनरेशंस' की भावना के साथ आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षकों की समर्पण भावना, प्रतिबद्धता तथा विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित किया गया। डॉ. एस. विश्वनाथन, निदेशक, एसआरएम आई एस टी दिल्ली-एनसीआर कैंपस, तथा डॉ. आर. पी. महापात्रा, डीन, एसआरएम आई एस टी दिल्ली-एनसीआर कैंपस की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ, जिसके पश्चात दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना का आयोजन किया गया।

यह ज्ञान, विवेक और शिक्षा के प्रति भारतीय परंपरा में निहित सम्मान का प्रतीक रहा। डॉ. निरंजन लाल, डिप्टी एचओ डी , कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों एवं शिक्षकों का हार्दिक स्वागत किया। कार्यक्रम में 'ऑनरइंग द गुरुस हु इन्स्पायर जनरेशन्स ' नामक विशेष सत्र आयोजित किया गया,समारोह में एक आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति भी आयोजित की गई, जिसने कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का संचार किया। डॉ. आर. पी. महापात्रा, डीन, ने 'टीचिंग विथ हार्ट , लीडिंग बाय एक्जाम्पल ' विषय पर प्रेरणादायी संबोधन दिया। उन्होंने शिक्षण कार्य में संवेदनशीलता, नैतिकता, नेतृत्व, अनुशासन तथा प्रतिबद्धता के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर डॉ. एस. विश्वनाथन, निदेशक, एसआरएम आई एस टी दिल्ली-एनसीआर कैंपस, ने 'टीचर्ज.: द ट्रू नेशन -बिल्डर्स ' विषय पर प्रेरणादायी संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाले नहीं होते, बल्कि वे जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण करते हैं, विद्यार्थियों में नवाचार एवं नेतृत्व की भावना विकसित करते हैं तथा राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समाज के सहयोग से ही चलती आ रही है साप्ताहिक लंगर सेवा : राज ढींगरा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दशमेश खालसा समिति सेवा ट्रस्ट मोदीनगर परिवार द्वारा समाज के सहयोग से पिछले छह वर्षों से निरंतर विभिन्न स्थानों पर लंगर सेवा का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को लंगर की सेवा रुक्मणी मार्केट,फैशनर गारमेंट्स के सामने निभाई गई । ट्रस्ट के उपाध्यक्ष आशीष भूटानी (राजा) के द्वारा ये बताया गया कि संस्था का उद्देश्य गुरु महाराज जी की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना तथा समाज में सेवा, भाईचारे और मानवता का संदेश फैलाना है। लंगर सेवा की शुरूआत गुरु महाराज जी के चरणों में अरदास करने के पश्चात की जाती है। इस सेवा में महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों एवं युवाओं सहित सभी वर्गों के लोग बढ़-चढ़कर अपनी सेवा निभाते हैं। संस्था द्वारा लंगर के दौरान स्वच्छता एवं भोजन की बबार्दी रोकने पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।

संपूर्ण लंगर की सेवा दिनेश शर्मा एवं उनके परिवार द्वारा अपनी स्वर्गीय माता जी श्रीमती पुष्पा देवी की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धापूर्वक निभाई गई। इस अवसर पर परिवार द्वारा गुरु महाराज जी के चरणों में अरदास कर मानव सेवा के इस कार्य में अपना योगदान दिया गया। दशमेश खालसा समिति सेवा ट्रस्ट सभी समाज के लोगों से आह्वान करता है कि वे इस सेवा कार्य से जुड़कर निस्वार्थ भाव से सेवा करें। संस्था का उद्देश्य निरंतर सेवा के माध्यम से समाज में प्रेम, सद्भाव, सहयोग एवं मानवता की भावना को मजबूत करना है। इस अवसर पर दशमेश खालसा समिति के सभी सेवादार उपस्थित रहे।

भोवापुर में सिलेंडर की आग से मचा हड़कंप, झुलसी बच्ची ने तोड़ा दम

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कौशांबी थाना क्षेत्र के भोवापुर स्थित बालक राम कॉलोनी में शनिवार रात एलपीजी सिलेंडर में आग लगने से पिता-पुत्री झुलस गए। हादसे में बच्ची आंचल की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना की सूचना रात करीब 8:29 बजे फायर स्टेशन वैशाली को मिली। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम फायर टेंडर के साथ मौके पर पहुंची।

बताया गया कि मकान मालिक नेत्रपाल सिंह के मकान में किराए पर रह रहे गुड्डू के घर सिलेंडर में आग लगी थी। गली बेहद संकरी होने के कारण फायर टेंडर घटनास्थल तक नहीं पहुंच सका। इसके बाद दमकलकर्मी पैदल ही मौके पर पहुंचे और बाल्टियों में पानी व प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों की मदद से आग पर काबू पाया।

हादसे में गुड्डू और उनकी पुत्री आंचल झुलस गए। प्रभारी अग्निशमन केंद्र वैशाली मूलचंद सिंह ने दोनों को तत्काल यशोदा अस्पताल, कौशांबी में भर्ती कराया। उपचार के दौरान बच्ची की दुखद मृत्यु हो गई। आग में सिलेंडर के पास रखा घरेलू सामान भी जलकर क्षतिग्रस्त हो गया।

उत्थान फाउंडेशन ने बच्चों को सिखाया इको-फ्रेंडली गणपति निर्माण

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सामाजिक संस्था उत्थान फाउंडेशन (रजि.) द्वारा अपने शिक्षा एवं व्यक्तित्व विकास प्रकल्प 'बढ़ते कदम योजना' के अंतर्गत श्री अंबेडकर लाइब्रेरी, कस्बा रोड, मोदीनगर में बच्चों के लिए इको-फ्रेंडली गणपति मेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में करीब 30 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने हाथों से पर्यावरण-अनुकूल गणपति की सुंदर प्रतिमाएं बनाईं।कार्यक्रम की मुख्य प्रशिक्षिका कविता गोयल रहीं। उन्होंने बच्चों को आटे एवं पर्यावरण के अनुकूल सामग्री से गणपति जी की प्रतिमा बनाने की विधि चरणबद्ध तरीके से सिखाई। बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता का परिचय देते हुए अलग-अलग स्वरूपों में आकर्षक गणपति तैयार किए। कार्यशाला के माध्यम से बच्चों को यह संदेश भी दिया गया कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्वों को पर्यावरण संरक्षण की भावना के साथ मनाया जा सकता है।उत्थान फाउंडेशन की संस्थापक सचिव डॉ. सोनिका जैन ने अतिथि एवं प्रशिक्षिका कविता गोयल का पटका पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। संस्था की सदस्य कविता गुप्ता ने उन्हे संस्था की ओर से स्मृति-उपहार भेंट कर सम्मानित किया। डॉ. सोनिका जैन ने कहा कि उत्थान फाउंडेशन की 'बढ़ते कदम योजना' का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों, भारतीय संस्कृति, सामाजिक मूल्यों और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में न केवल सृजनात्मकता बढ़ाती हैं, बल्कि उन्हें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने के लिए भी प्रेरित करती हैं।

कार्यक्रम में संस्था की ओर से अनु माहेश्वरी, ज्योति रानी, ध्वनि जैन एवं स्वरा जैन की विशेष उपस्थिति एवं सहयोग रहा। सभी सदस्यों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों द्वारा स्वयं तैयार किए गए इको-फ्रेंडली गणपति आकर्षण का केंद्र रहे और सभी ने 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

लापता हुईं दो महिलाएं खोड़ा में साथ मिलीं, स्वजन के साथ जाने से इनकार

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। खोड़ा थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में नोएडा की फैक्ट्री से लापता हुईं दो महिलाएं एक साथ रहती मिलीं। दोनों के स्वजन जब उन्हें तलाशते हुए किराये के मकान पर पहुंचे तो उन्होंने साथ जाने से साफ इनकार कर दिया। दोनों ने एक-दूसरे के साथ रहने और जीवन गुजारने की बात कही। स्वजन ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने दोनों महिलाओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी बात पर अड़ी रहीं। बाद में पुलिस दोनों को थाने ले गई। जानकारी के अनुसार, एक युवक ने बताया कि उसकी शादी करीब चार वर्ष पहले हुई थी। शादी के बाद वह और उसकी पत्नी ग्रेटर नोएडा में रहकर एक कंपनी में नौकरी करने लगे। इसी कंपनी में कई अन्य महिला और पुरुष कर्मचारी भी काम करते थे। 12 अगस्त को उसकी पत्नी अचानक लापता हो गई। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। कंपनी से जानकारी करने पर पता चला कि एक अन्य युवती भी उसी दौरान लापता हुई है। इसके बाद युवक ने ईकोटेक थाने में पत्नी की गुमशुदगी दर्ज कराई। पत्नी की तलाश के दौरान युवक की मुलाकात कंपनी से लापता हुई दूसरी युवती के भाई से हुई। दोनों ने मिलकर महिलाओं की तलाश शुरू की। उन्होंने उनके इंटरनेट मीडिया अकाउंट भी खंगाले। इसी दौरान उन्हें दोनों के खोड़ा में होने की जानकारी मिली। इसके बाद रविवार को युवक और युवती का भाई खोड़ा स्थित बताए गए मकान पर पहुंचे। मकान में दोनों महिलाएं एक साथ मिलीं। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे यहां किराये पर रह रही हैं। दोनों ने स्वजन से कहा कि वे एक-दूसरे से प्यार करती हैं और अलग-अलग नहीं रह सकतीं। स्वजन ने उन्हें घर चलने के लिए समझाया, लेकिन दोनों ने साथ जाने से इनकार कर दिया।

रोटरी क्लब साउथ एंड ने 60 बच्चों को दिखाई 'हनुमान अंश' फिल्म

- 'संस्कारों की ओर एक कदम' पहल के माध्यम से बच्चों को भारतीय संस्कृति व नैतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद साउथ एंड की ओर से 'सिनेमा फॉर वैल्यूज - संस्कारों की ओर एक कदम' पहल के अंतर्गत उदान स्कूल के 60 होनहार विद्यार्थियों को गौर मॉल, आरडीसी गाजियाबाद में 'हनुमान अंश' फिल्म दिखाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, आस्था, संस्कार, साहस, समर्पण, सेवा भावना एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ना रहा।

फिल्म के माध्यम से बच्चों को भगवान हनुमान जी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर जीवन में साहस, अनुशासन, सेवा और सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश दिया गया। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. आलोक गोयल ने कहा कि आज के समय में बच्चों को केवल शिक्षा देना पर्याप्त नहीं है।

उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें अच्छे संस्कार, भारतीय संस्कृति और सही दिशा देना भी समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। रोटेरियनों ने बच्चों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं तथा उनका उत्साहवर्धन कर उनका मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर डॉ. आलोक गोयल ने उदान स्कूल की शालिनी जी एवं उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने रोटरी क्लब को ऐसे बच्चों के साथ सेवा करने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम में रोटेरियन डॉ. आलोक गोयल (अध्यक्ष), रोटेरियन सुमित गर्ग, रोटेरियन पंकज गोयल, रोटेरियन गिरीश पुरी एवं रोटेरियन पुनीत गुप्ता सहित क्लब के सदस्य उपस्थित रहे। रोटरी क्लब के सदस्यों ने कहा कि बच्चों के जीवन में संस्कार, संस्कृति और सकारात्मक सोच का बीज बोना ही सच्ची सामाजिक सेवा है।'बच्चों को केवल शिक्षा नहीं, अच्छे संस्कार और सही दिशा देना भी हमारी जिम्मेदारी है।'

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 17 सितंबर को महारक्तदान शिविर का होगा आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर में 17 सितंबर से प्रारंभ होने वाले सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत 17 सितंबर को सेवा दिवस ,'आशीर्वाद का दिया' नामक कार्यक्रम से प्रारंभ किया जाएगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर के चिकित्सा अधीक्षक तथा प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ शाखा गाजियाबाद के उपाध्यक्ष डॉ दिनेश कुमार द्वारा बताया गया कि 17 सितंबर से प्रारंभ होने वाले सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत 17 सितंबर को सेवा दिवस ,'आशीर्वाद का दिया' नामक कार्यक्रम से प्रारंभ किया जाएगा। जिसका विधिवत उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक डॉ मंजू शिवाच तथा नगर पालिका परिषद मोदीनगर के अध्यक्ष विनोद वैशाली के द्वारा फीता काटकर किया जाएगा, इस मौके पर पहला रक्तदान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी भोजपुर डॉ रवि शर्मा के द्वारा किया जाएगा, उसके पश्चात अन्य रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया जाएगा। डॉ दिनेश कुमार द्वारा बताया कि इस दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रातः 7:00 बजे से रात के 7:00 बजे तक सामान्य मरीजों के लिए खुला रहेगा तथा इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे सुचारू रहेंगी तथा शाम को 7:00 बजे मिट्टी के दीए जलाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर को जगमगाया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र की जनता से निवेदन किया कि इस मौके पर ज्यादा से ज्यादा लोग रक्तदान करें क्योंकि रक्तदान महादान हैं और इससे बड़ा कोई दान जीवन को बचाने के लिए नहीं है इसलिए ज्यादा से ज्यादा लोग प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक पहुंच कर रक्तदान शिविर में शामिल होकर रक्तदान करें।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का पहला प्रकाश पर्व बड़ी श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गोविंदपुरी स्थित गुरुद्वारा साहिब श्री गुरु सिंह सभा में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का पहला प्रकाश पर्व बड़ी श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में संगत ने गुरु घर में पहुंचकर माथा टेका और गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया। समागम के दौरान विशेष गुरबाणी कीर्तन का आयोजन किया गया। जत्थे द्वारा शबद-कीर्तन के माध्यम से संगत को गुरु साहिब की बाणी से जोड़ा गया। गुरबाणी की मधुर धुनों से पूरा गुरुद्वारा साहिब भक्तिमय हो गया। कीर्तन के उपरांत श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष अरदास की गई। अरदास में सरबत के भले, सुख-शांति एवं मानवता की सेवा की कामना की गई। इसके पश्चात गुरु का अटूट लंगर बरताया गया, जिसमें संगत ने पंगत में बैठकर लंगर ग्रहण किया। श्रद्धालुओं ने लंगर एवं अन्य सेवाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान सरदार गुरमीत सिंह ने संगत को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रकाश पर्व की बधाई देते हुए कहा कि गुरु साहिब की वाणी हमें सत्य, सेवा, प्रेम, समानता और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने संगत से गुरु साहिब की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने और जरूरतमंदों की सेवा करने का आह्वान किया। समागम में सचिव सुरजीत सिंह ढिल्लों, कैशियर मनमोहन सिंह, दलवीर सिंह बेदी, सतवंत सिंह नय्यर बलविंदर सिंह, मनजीत सचदेवा, नवदीप बत्रा एवं तरनजीत सचदेवा भूपेंद्रपाल सिंह हरजीत सिंह सहित गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य एवं बड़ी संख्या में संगत उपस्थित रही। समूचा कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा, भाईचारे एवं धार्मिक भावना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मोदी कॉलेज में भारत को जानो प्रतियोगिता में 2500 छात्रों ने प्रतिभाग कर किया रिकॉर्ड स्थापित

प्रतियोगिता छात्रों को भारत के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति ,विरासत से परिचित कराती है: डॉ एस सी अग्रवाल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज में भारत विकास परिषद मोदीनगर शाखा के तत्वाधान में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर एस सी अग्रवाल की अध्यक्षता में भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के 2500 छात्रों ने प्रतिभाग किया डॉक्टर एस सी अग्रवाल ने बताया कि इस परीक्षा का उद्देश्य छात्रों में अपने देश के गौरवशाली इतिहास संस्कृति ,विरासत परंपराओं राष्ट्रीय चेतना भारत के महान ग्रंथो महान विभूतियां, महान गाथाओं भारतीय प्रशासन, भारतीय संविधान से परिचित कराना है । भारत विकास परिषद मोदीनगर शाखा के अध्यक्ष खेमराज आर्य के निर्देशन में 2500 छात्रों को ओएमआर शीट के माध्यम से बहुविकल्पीय परीक्षा कराई गई यह सामान्य ज्ञान और भारतीय संस्कृति पर आधारित एक प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 12 तक के सभी छात्रों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के अध्यक्ष खेमराज आर्य ,और शाखा की सम्मानित सचिव श्रीमती शिवानी शर्मा सुनील गोयल श्रीमती रंजना जी परीक्षा के समय उपस्थित थी ।विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ एस सी अग्रवाल ने बताया कि हमारे विद्यालय के छात्र सभी तरह की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर तहसील और जनपद स्तर पर सम्मानजनक स्थान प्राप्त करते हैं।

इस परीक्षा को सफल बनाने में विद्यालय के परीक्षा विभाग और प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह संजीव कुमार संजीव चौधरी ने ओएमआर शीट और प्रश्न पत्रों को व्यवस्थित करके सभी कक्षाओं के सम्मानित कक्षा अध्यापकों के द्वारा परीक्षा कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परीक्षा को सफल बनाने में विद्यालय के सभी अध्यापकों और अध्यापिकाओं का सहयोग सराहनीय रहा।

कार बनी अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर, भ्रूण लिंग परीक्षण गिरोह का पदार्फाश

क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को दबोचा, पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन समेत कार बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। क्राइम ब्रांच गाजियाबाद और थाना नंदग्राम पुलिस की संयुक्त टीम ने चलती कार में पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन के जरिए भ्रूण लिंग परीक्षण करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों कपिल कुमार निवासी मेरठ, हाल निवासी विश्वास नगर, शाहदरा दिल्ली और गौरव निवासी गोविंदपुरम, गाजियाबाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों के कब्जे से पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन, अल्ट्रासाउंड किट बैग और आई-10 कार बरामद हुई है। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में हुई कार्रवाई के बाद थाना नंदग्राम में मुकदमा अपराध संख्या 543/2026 के तहत धारा 88/61(2)/318(4) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को गाजियाबाद में कौन दिखा रहा ठेंगा

थाना कविनगर की FIR 0448 में दो महीने बाद भी आरोपी गिरफ्त से बाहर- ADCP राजकरण नैय्यर के दो बार निर्देश के बाद भी गिरफ्तारी क्यों नहीं?

- ADCP राजकरण नैय्यर के दो बार गिरफ्तारी के निर्देश–फिर भी दो महीने से आरोपी गिरफ्त से बाहर
- पीड़ित का गंभीर आरोप–विवेचक की आरोपियों से कथित मिलीभगत, इसलिए टाली जा रही गिरफ्तारी
- पीड़ित का दावा–विवेचक ने कहा, 'मैं गिरफ्तारी नहीं करूंगा'
- कोई आरोपी गोरखपुर का नहीं था–फिर पीड़ित से गोरखपुर का रेलवे टिकट क्यों कराया गया?
- मोहाली में दबिश के नाम पर पीड़ित से टैक्सी कराई–आरोप है कि जहां आरोपी की तलाश करनी वहां पुलिस गई ही नहीं
- क्या पीड़ित ने टैक्सी पुलिस को मोहाली घुमाने के लिए कराई थी?
- रेलवे टिकट और टैक्सी का खर्च पीड़ित से क्यों? क्या अब आरोपियों को पकड़ने का खर्च भी पीड़ित उठाएगा?
- ADCP का आदेश बड़ा या विवेचक की मनमर्जी?
- सबसे बड़ा सवाल–मुख्यमंत्री योगी की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के बावजूद थाना कविनगर की FIR 0448 में आरोपियों की गिरफ्तारी आखिर कौन रोक रहा है?

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में अपराध और अपराधियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर लगातार जोर देते हैं, लेकिन गाजियाबाद के थाना कविनगर में दर्ज FIR संख्या 0448 की विवेचना को लेकर पीड़ित द्वारा लगाए गए गंभीर आरोप पुलिस की कार्यप्रणाली और जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े कर रहे हैं।

पीड़ित के मुताबिक एफआईआर दर्ज हुए करीब दो महीने बीत चुके हैं, लेकिन आरोपी आज भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। पीड़ित का दावा है कि ADCP राजकरण नैय्यर दो बार आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दे चुके हैं, इसके बावजूद गिरफ्तारी नहीं हुई। जब वरिष्ठ अधिकारी दो-दो बार गिरफ्तारी के निर्देश दे चुके हैं तो थाना कविनगर में आखिर ऐसा कौन है, जिसके सामने उनके निर्देश भी बेअसर साबित हो रहे हैं?

पीड़ित का आरोप– विवेचक आरोपियों से मिल गया है

पीड़ित ने विवेचना की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि विवेचक की आरोपियों से कथित मिलीभगत है और इसी कारण गिरफ्तारी जानबूझकर टाली जा रही है। पीड़ित का यह भी आरोप है कि विवेचक ने उससे कहा–'मैं गिरफ्तारी नहीं करूंगा।'

यदि ये आरोप जांच में सही पाए जाते हैं तो मामला केवल गिरफ्तारी में देरी का नहीं, बल्कि पूरी विवेचना की निष्पक्षता और वरिष्ठ अधिकारियों के निदेर्शों की अवहेलना का बन जाता है।

मुख्यमंत्री जी, सवाल सिर्फ एक–ADCP के दो बार आदेश के बाद भी गिरफ्तारी नहीं, तो आखिर आरोपियों को बचा कौन रहा है?

पीड़ित ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट से पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच, विवेचना दूसरे अधिकारी को सौंपने और गिरफ्तारी में देरी के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

गोरखपुर में आरोपी ही नहीं तो रेलवे टिकट किसकी तलाश में कराया?

पीड़ित का आरोप है कि पुलिस की ओर से गोरखपुर जाने के लिए उससे रेलवे टिकट कराया गया, जबकि उसकी जानकारी के अनुसार इस मुकदमे का कोई आरोपी गोरखपुर का था ही नहीं। गोरखपुर का टिकट किस आधार पर कराया गया और वहां पुलिस किसे पकड़ने जा रही थी?

मोहाली में टैक्सी दबिश के लिए थी या घूमने के लिए?

पीड़ित का आरोप है कि मोहाली में आरोपियों की तलाश और दबिश के नाम पर उससे टैक्सी की व्यवस्था कराई गई, लेकिन जिस स्थान पर आरोपी की तलाश करनी थी, वहां पुलिस गई ही नहीं। अगर आरोपी की तलाश वाली जगह पर जाना ही नहीं था तो पीड़ित से टैक्सी क्यों कराई गई? क्या पीड़ित ने टैक्सी पुलिस को मोहाली घुमाने के लिए कराई थी?

जन-जन तक पहुंचेगी सरकार की योजनाएं

'सेवा संकल्प अभियान' को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में रविवार को उत्तर प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांडड़ और मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने अभियान की रूपरेखा और प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी दी।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है। साथ ही प्रत्येक नागरिक को 'विकसित भारत-2047' के संकल्प से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत 12 अध्यायों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। इनमें सेवा दिवस, आंगन मिलन सेवा, सेवा ज्योति कलश यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, सेवा के रंग राष्ट्र के संग और सुशासन सेवा संवाद प्रमुख हैं।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और अधिकारी आपसी समन्वय से अभियान को ऐतिहासिक सफलता दिलाएं। बैठक में महापौर सुनीता दयाल, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता त्यागी, विधायक मंजू शिवाच, संजीव शर्मा, अजीत पाल त्यागी, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल समेत अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

गाजियाबाद जेल की कला ने मचाया कमाल, मिला 'क्रिएटिव एक्सीलेंस अवार्ड

जिला कारागार गाजियाबाद को मिला 'क्रिएटिव एक्सीलेंस अवार्ड'

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंडिया विजन फाउंडेशन के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न जेलों के बीच आयोजित 'आओ सपने बुने अवार्ड-2026' में जिला कारागार गाजियाबाद ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। कारागार को 'क्रिएटिव एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में जेल के बंदियों द्वारा कला और रचनात्मकता के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को भी सम्मानित किया गया। जिला कारागार गाजियाबाद की एक महिला बंदी और तीन पुरुष बंदियों को पेंटिंग, ड्राइंग एवं क्रिएटिव राइटिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि केशव कुमार चौधरी, आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त गाजियाबाद रहे। उन्होंने बंदियों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को सुधार और पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम के माध्यम से बंदियों को अपनी प्रतिभा निखारने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

राष्ट्र प्रथम, ब्राह्मण सदैव राष्ट्र चिंतक: बृजेश पाठक

ब्रह्म समागम में उपमुख्यमंत्री ने एकजुटता और राष्ट्र निर्माण का दिया संदेश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित ब्रह्म समागम में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि ब्राह्मण समाज सदैव राष्ट्र को सर्वोपरि रखता आया है। उन्होंने समाज की गौरवशाली परंपरा, त्याग, संस्कार और समर्पण का उल्लेख करते हुए एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि दधीचि जैसे ऋषियों ने त्याग और समाज कल्याण की अनुपम मिसाल कायम की। ब्राह्मण समाज को अपनी परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए सामाजिक एकता और संस्कारों को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बुद्धि और विवेक से संपन्न समाज को कोई शक्ति विभाजित नहीं कर सकती। कार्यक्रम से पूर्व राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की धर्मपत्नी स्वर्गीय सत्यवती देवी को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। आयोजक आरडी शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस दौरान शहर विधायक संजीव शर्मा, विधान परिषद सदस्य सुनील भराला समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम स्थल पर महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल एवं पंकज भारद्वाज के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने उपमुख्यमंत्री का स्वागत कर उन्हें भगवान परशुराम का फरसा भेंट किया।

बिजली-पानी की मांग पर डूब क्षेत्र में हजारों लोगों का प्रदर्शन, पृथला के पास लगा भीषण जाम

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। डूब क्षेत्र में बिजली और पानी की समस्या को लेकर रविवार को हजारों लोगों ने सड़क पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। पृथला के पास बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के जुटने से सड़क पर भीषण जाम लग गया और वाहनों की रफ्तार थम गई। जाम के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाकर सड़क से हटाने और यातायात सुचारु कराने का प्रयास किया। हालांकि, प्रदर्शनकारी बिजली-पानी की समस्या के स्थायी समाधान की मांग पर अड़े रहे। किसान नेता ने दो टूक कहा कि डूब क्षेत्र के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। जब तक बिजली और पानी की मांग को लेकर प्रशासन की ओर से लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रदर्शन के चलते क्षेत्र में काफी देर तक यातायात प्रभावित रहा।

ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली बनी काल, मासूम की दर्दनाक मौत

मां के साथ स्कूल से लौट रही थी मासूम, पलटी ट्रॉली ने ले ली जान

मृतक

घायल मां

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद थाना क्षेत्र के अर्थला स्थित बालाजी विहार में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया। ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क के ऊबड़-खाबड़ हिस्से पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में ट्रॉली की चपेट में आने से पांच वर्षीय मासूम इनाया की मौत हो गई, जबकि उसकी मां सुल्ताना घायल हो गईं। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। न्यू हिंडन विहार निवासी नदीम के मुताबिक, इनाया बालाजी विहार में अपनी नानी के घर रहती थी और निजी स्कूल में एलकेजी की छात्रा थी।

शनिवार को उसकी मां उसे स्कूल से लेकर घर जा रही थीं। इसी दौरान निमार्णाधीन मकान के पास सड़क पर मिट्टी-मलबा पड़ा होने के कारण सड़क ऊंची-नीची थी।

इसी रास्ते से गुजर रही ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक असंतुलित होकर पलट गई। इसकी चपेट में मां-बेटी समेत राहगीर आ गए। स्थानीय लोगों ने मशक्कत कर मां-बेटी को बाहर निकाला और वसुंधरा के निजी अस्पताल पहुंचाया। उपचार के दौरान देर शाम इनाया ने दम तोड़ दिया। सुल्ताना को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि बच्ची के पिता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ट्रैक्टर-ट्रॉली कब्जे में ले ली गई है। फरार चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य तथ्यों के आधार पर जांच कर रही है।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक पहुंचे विधायक संजीव शर्मा के आवास, आत्मीय स्वागत से खिले चेहरे

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक रविवार को शहर विधायक श्री संजीव शर्मा के सिद्धार्थ विहार स्थित आवास पर पहुंचे। इस दौरान सांसद श्री अतुल गर्ग भी मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री के आगमन पर परिवारजनों एवं कार्यकताओं में उत्साह का माहौल रहा।

शहर विधायक संजीव शर्मा ने उपमुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि उनका आवास पर आगमन परिवार के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री का स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद जनसेवा के संकल्प को निरंतर मजबूती प्रदान करता है। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच आत्मीय मुलाकात हुई। कार्यकताओं और समर्थकों ने भी उपमुख्यमंत्री के आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की। विधायक के आवास पर कुछ समय तक सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहा।